(स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र)

हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

श्री कृष्ण के बाद
सौरभ राज...8

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

शुक्रवार, 03 सितंबर 2021 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 08 अंकः 258 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

तबलीगी जमात केस पर सुप्रीम कोर्ट ने मीडिया रिपोर्टिंग को लेकर कही ये बड़ी बात

तबलीगी जमात मामले में जमात को लेकर रिपोर्टिंग के दौरान अभद्र भाषा के इस्तेमाल और गलत रिपोर्टिंग के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान की है। सीजेआई ने कहा कि मुझे नहीं पता कि ये क्यों हो रहा है। हर चीज को सांप्रदायिक रंग क्यों दे दिया जाता है। वेब पोर्टल किसी के नियंत्रण में नहीं है। वो जो चाहे चला देते हैं, जो चाहे लिख देते हैं। उनकी कोई जवाबदेही नहीं होती है। हमें भी जवाब नहीं देते वेब पोर्टल : चीफ जस्टिस ने यह भी कहा कि ट्विटर, फेसबुक और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जजों को जवाब नहीं देते हैं और बिना किसी जवाबदेही के संस्थानों के खिलाफ लिखते हैं। सीजेआई ने कहा कि वे केवल ष्शक्तिशाली आवाजोंष का जवाब देते हैं। वेब पोर्टल और यूट्यूब चौनलों में फेक न्यूज और बदनाम किए जाने वाली खबरों पर कोई नियंत्रण नहीं है। अगर आप यूट्यूब पर जाएंगे तो पाएंगे कि कैसे फर्जी खबरें खुलेआम प्रसारित की जाती हैं और कोई भी यूट्यूब पर चौनल शुरू कर सकता है। सॉलिसिटर जनरल ने दिया ये जवाबः सुप्रीम कोर्ट द्वारा वेब पोर्टल और यूट्यूब चौनलों को लेकर की गई टिप्पणी पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जवाब दिया कि नए सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में इसका ध्यान रखनाष चाहते हैं। उन्होंने अदालत से आईटी नियमों से जुड़े मामले में तबादला याचिका को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। विभिन्न उच्च न्यायालय अलग–अलग आदेश पारित कर रहे हैं। सॉलिसिटर जनरल ने कहा, आपके प्रभुत्व की समग्र तस्वीर हो सकती है, क्योंकि यह एक अखिल भारतीय मुद्दा है।

नोएडा : बड़े आवासीय परिसरों, उद्योगों पर पानी के बिल का 8.16 करोड़ बकायाय नोटिस जारी

नोएडा (उप्र)। नोएडा में सात समूह आवासीय परियोजनाओं और एक औद्योगिक इकाई पर वित्त वर्ष 2021–22 में पानी के बिल का 8.16 करोड़ रुपये का भुगतान बकाया है। नोएडा प्राधिकरण ने बुधवार को इस मामले में नोटिस जारी किए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। एक आधिकारिक दस्तावेज के अनुसार, जिन आवासीय परियोजनाओं का भुगतान लंबित है, उनमें एसोटेक कॉन्ट्रैक्ट्स (इंडिया) की दो इकाइयां और एसडीएस इंफ्राटेक, आम्रपाली ईडन पार्क डेवलपर्स, सुपरटेक लिमिटेड, लॉजिक्स इंफ्राटेक और रानी प्रमोटर की एक–एक इकाइयां शामिल हैं। दस्तावेज के अनुसार नोएडा के फेज–दो क्षेत्र में औद्योगिक इकाई जीटीएस प्राइवेट लिमिटेड को बकाए का भुगतान करना है।

यूपी सरकार का आदेश
स्कूल आने वाले सभी शिक्षकों और स्टाफ को कराना होगा वैक्सीनेशन

लखनऊ। यूपी में कोरोना संक्रमण की स्थिति पहले से काफी बेहतर है। यूपी में दिन पर दिन सुधर रही संक्रमण की स्थिति को देखते हुए एक सितंबर से स्कूल खोल दिए गए हैं। साथ ही स्कूल आने वाले शिक्षकों और बच्चों के लिए शासन की ओर से गाइडलाइन भी जारी की गई है। गुरुवार को यूपी सरकार ने शिक्षकों और अभिभावकों के लिए आदेश जारी किया है। यूपी सरकार के आदेश में कहा गया है कि स्कूल आने वाले सभी शिक्षकों, स्टाफ और अभिभावकों को वैक्सीनेशन कराना अनिवार्य होगा। इसके अलावा यूपी में कोरोना की रोकथाम के लिए विशेष टीकाकरण अभियान भी चलाया जाएगा। बेसिक शिक्षा निदेशक ने सभी बीएसए को निर्देश जारी कर दिए हैं। कोरोना के चलते करीब डेढ़ साल बाद खोले गए सभी स्कूलों के शिक्षकों और उनके कर्मचारियों को कोरोना वैक्सीनेशन कराने का आदेश जारी किया है। बेसिक शिक्षा निदेशक ने शासन की ओर से जारी आदेश में कहा है कि एक सितंबर से प्रदेश के सभी स्कूल खोल दिए गए हैं। साथ ही स्कूल आने वाले सभी बच्चों और शिक्षकों के लिए गाइडलाइन भी जारी की गई है। बच्चों को स्कूल आने पर मास्क लगाना अनिवार्य होगा। इससे पहले स्कूल के सभी शिक्षकों और बच्चों के परिजनों को कोरोना का टीका लगाने का भी आदेश दिया गया है। स्कूल के स्टाफ को भी वैक्सीनेशन कराना होगा। बेसिक शिक्षा निदेशक ने कहा कि शासन की तरफ से जारी गाइडलाइन में अशासकीय सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त, परिषदीय, उच्च प्राथमिक विद्यालयों के सभी शिक्षकों और कर्मचारियों को भी टीकाकरण कराना अनिवार्य है।

देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड–19 के 47,092 नए मामले

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोविड–19 के 47,092 नए मामले आने के साथ संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,28,57,937 हो गई है। इस दौरान संक्रमण से 509 और लोगों की मौत हो गई तथा उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर अब 3,89,583 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 509 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,39,529 हो गई। देश में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 3,89,583 हो गई है, जो कुल मामलों का 1.19 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मामलों में कुल 11,402 की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 97.48 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार साप्ताहिक संक्रमण दर 2.62 प्रतिशत है। पिछले 69 दिनों से संक्रमण दर तीन प्रतिशत से कम दर्ज की जा रही है। देश में अब तक कुल 3,20,28,825 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–19 से मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, बुधवार को एक दिन में कोविड–19 रोधी टीकों की 81.09 लाख खुराक दी गई। देश में अब तक टीकों की कुल 66.30 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। देश में पिछले साल सात अगस्त को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त को 30 लाख और पांच सितंबर को 40 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर को 50 लाख, 28 सितंबर को 60 लाख, 11 अक्टूबर को 70 लाख, 29 अक्टूबर को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए। देश में 19 दिसंबर को ये मामले एक करोड़ के पार, चार मई को दो करोड़ के पार और 23 जून को तीन करोड़ के पार चले गए थे। संक्रमण से मौत के नए मामलों में केरल में 173 लोगों की और महाराष्ट्र में 183 लोगों की मौत हो गई। कोरोना वायरस संक्रमण से अब तक कुल4,39,529 लोगों की मौत हुई है। इनमें से महाराष्ट्र में 1,37,496 लोग,कर्नाटक में 37,339 लोग, तमिलनाडु में 34,941 लोग, दिल्ली में 25,082 लोग, उत्तर प्रदेश में 22,825 लोग, केरल में 20,961 लोग और पश्चिम बंगाल में 18,459 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि अभी तक जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से 70 प्रतिशत से ज्यादा मरीजों को अन्य बीमारियां भी थीं। मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि उसके आंकड़ों का भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के आंकड़ों के साथ मिलान किया जा रहा है।

सहयोगी दलों के समाज को देंगे उचित सम्मान : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के सहयोगी दलों को न्याय, सम्मान और सहभागिता दिलाने का आश्वासन देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि दलितों और पिछड़ों को जो सम्मान भाजपा ने नहीं दिया वह सपा देगी। अखिलेश ने अपने सहयोगी दल जनवादी पार्टी सोशलिस्ट की जनक्रांति यात्रा के समापन अवसर पर यहां कहा कि वह अपने सहयोगी दलों को भरोसा दिलाते हैं कि उनके लोगों को जो सम्मान भाजपा ने नहीं दिया वह समाजवादी पार्टी दिलाएगी। उन्होंने कहा, आपके समाज को अगर सम्मान देने की बात होगी तो सपा कभी पीछे नहीं हटेगी। हम भरोसा दिलाते हैं कि आपके साथ जो अन्याय हुआ है वह हम नहीं होने देंगे।'' अखिलेश ने जनक्रांति यात्रा के समापन पर बधाई देते हुए दावा किया, यह यात्रा जिन–जिन जिलों से निकली है, वहां पर भाजपा का सफाया हो जाएगा। भाजपा ढूंढेगी कि उसके प्रत्याशी कहां हैं। इसीलिए हमने नारा दिया है, अबकी बार 400 पार। कार्यक्रम में सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने भी शिरकत की।

अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ करने पर अमेरिकी उद्योगपति ने किया विरोध

लखनऊ। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के पूर्व छात्र और अमेरिका के जाने–माने उद्योगपति फ्रैंक इस्लाम ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक नगरी अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ किए जाने के प्रयास पर अफसोस जाहिर करते हुए इसे अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाने और उसे अलग–थलग करने के अभियान का हिस्सा बताया है। इस्लाम में बृहस्पतिवार को 'भाषा' से बातचीत में कहा कि अलीगढ़ शहर का नाम बदलना उसकी पहचान को मिटा देने के बराबर होगा। अलीगढ़ का नाम यहां रहने और यहां से शिक्षा प्राप्त करने वाले लाखों लोगों के दिल में बसा है और उनके लिए अलीगढ़ को किसी अयोध्या किए जाने का जिक्र करते हुए इस्लाम ने कहा कि बहुसंख्यकवाद पर आधारित हिंदुत्ववादी राजनीति के उभार के साथ सरकारों का ऐसा रवैया अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाने और उसे अलग–थलग करने के अभियान का हिस्सा है। सरकारों को समाज के बीच पुल बनाने चाहिए, न कि दीवारें खड़ी करना चाहिए। प्रतिष्ठित मार्टिन लूथर किंग जूनियर लेगेसी अवार्ड हासिल कर चुके फ्रैंक इस्लाम ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि खासकर मुस्लिम आस्था से जुड़े जिलों तथा नगरों का नाम बदलने से वह अल्पसंख्यक आबादी और भी आशंकित होगी जो पहले से ही असुरक्षा की भावना से घिरी है। गौरतलब है कि अलीगढ़ जिला पंचायत ने हाल में अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ रखने का एक प्रस्ताव पारित करके इसे उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ नेतृत्व वाली सरकार के पास भेजा है। हालांकि सरकार ने अभी इस पर कोई फैसला नहीं लिया है। इस्लाम ने कहा कि कि यह तकलीफदेह होने के साथ–साथ चिंताजनक बात भी है कि भारत का एक खास वर्ग देश के सामने खड़ी चुनौतियों और महत्वपूर्ण मुद्दों से निपटने के बजाय अतीत की लड़ाई लड़ने में ज्यादा दिलचस्पी ले रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ अलीगढ़ का नाम बदले जाने के जिला पंचायत के प्रस्ताव को नहीं मानेंगे।

नए अध्ययन में खुलासा, कोरोना वायरस से सिर्फ फेफड़े और लीवर ही नहीं किडनी पर भी पड़ रहा प्रभाव

कोरोना की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच देश में दूसरी लहर ने बेहद ही क्षति पहुंचाई। कई लोगों को सांसों के संकट से दम तोड़ते देखा गया। वहीं इस महामारी से जान गंवाने वाले लोगों की तादाद अच्छी खासी थी। लेकिन जो लोग इस गंभीर बीमारी की चपेट में आए और फिर रिकवर कर गए उन्हें अपने किडनी के स्वास्थ्य का ख्याल रखे जाने की जरूरत है। एक अमेरिकी रिपोर्ट में इस बात की सलाह दी गई है। जर्नल ऑफ द अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि शुरू में जितने कोविड संक्रमित मरीज थे, उनके किडनी को नुकसान पहुंचने की संभावना उतनी अधिक थी। इसके साथ ही कम गंभीर प्रारंभिक संक्रमण वाले लोग भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। किडनी इंसानी शरीर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, रक्त से विषाक्त पदार्थों और अतिरिक्त तरल पदार्थ को साफ करने के साथ ही स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके साथ ही इलेक्ट्रोलाइट्स और अन्य महत्वपूर्ण पदार्थों का संतुलन बनाए रखते हैं। ऐसे में जब किडनी ठीक से या कुशलता से काम नहीं कर रहे होते हैं, तो तरल पदार्थ जमा हो जाते हैं, जिससे सूजन, उच्च रक्तचाप, कमजोर हड्डियां और अन्य समस्याएं होती हैं। हृदय, फेफड़े, नर्वस सिस्टम और शरीक के इम्युन सिस्टम भी प्रभावित हो सकते हैं। अंतिम चरण में किडनी रोग, डायलिसिस या अंग प्रत्यारोपण आवश्यक हो सकता है। कुल मिलाकर कहे तो स्थिति घातक हो सकती है। अनुसंधान और विकास सेवा के प्रमुख डॉ जियाद अल–एली ने कहा कि संक्रमित होने के एक से छह महीने के बीच गैर–कोविड रोगियों की तुलना में संक्रमित लोगों में किडनी की खराबी या उसके कार्य करने की क्षमता में त्रुटि की लगभग 35ः अधिक संभावना थी। उनका कहना है कि जो लोग कोविड होने के बाद के पहले 30 दिनों में जीवित रहे हैं, उन्हें किडनी की बीमारी होने का खतरा है।

मिशन 2022: तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे ओवैसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे–जैसे नजदीक आ रही है, वैसे ही सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी–अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी एक बार फिर उत्तर प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। वे भी अपने तीन दिवसीय दौरे की शुरुआत अयोध्या दौरे से ही करेंगे। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा के साथ–साथ प्रमुख विपक्षी दलों ने अलग–अलग यात्राओं व सम्मेलनों के जरिए चुनावी बिगुल भी फूंक दिया है। अन्य दलों की तरह विधानसभा चुनावों से पहले ओवैसी उत्तर प्रदेश में सियासी पकड़ मजबूत बनाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। इस बार असदुद्दीन ओवैसी यूपी के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे, जिसमें वो तमाम कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। असदुद्दीन ओवैसी के इस दौरे की शुरुआत 7 सितंबर से होगी। 7 सितंबर को वह अयोध्या के रुदौली कस्बे में जाएंगे, जहां वंचित–शोषित सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके बाद 8 सितंबर को ओवैसी सुल्तानपुर के कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। अपने दौरे के आखिरी दन यानी 9 नवंबर को ओवैसी बाराबंकी जाएंगे। दरअसल, उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में अब बहुत ज्यादा वक्त नहीं बचा है। ऐसे में ओवैसी उत्तर प्रदेश के सियासी समर में कोई भी मौका छोडना नहीं चाहते। असदुद्दीन ओवैसी उत्तर प्रदेश में संकल्प भागीदारी मोर्चा के तहत चुनाव लडने की तैयारी कर रहे हैं। उनके साथ ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा चुनाव लड़ रही है। हालांकि अब तक कई बिंदुओं पर दोनों ही पार्टी के बड़े नेताओं में कई विरोधाभास भी सामने आए हैं। कभी ओपी राजभर जाकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात कर लेते हैं और यह बात कह देते हैं कि राजनीति में कुछ भी सम्भव है। इसके बाद ओवैसी की पार्टी को सफाई देनी पड़ती है। कभी ओवैसी की पार्टी की तरफ से इस बात का ऐलान कर दिया जाता है कि वह यूपी की 100 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। तो ऐसे में सुभासपा भी यह कहती है कि अभी सीटों पर कोई भी फाइनल मोहर नहीं लगी है। हालांकि ओवैसी और ओमप्रकाश राजभर इस बात को बार–बार कहते रहे हैं कि भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर किसी भी पार्टी के साथ वह जाने को तैयार हैं । बता दें कि यूपी विधानसभा चुनाव में इस बात का भी एहसास साफ हो जाएगा कि मुस्लिम छवि की एआईएमआईएम पार्टी को यूपी के मुसलमान कितना पसंद या नापसंद करते हैं। हाल के पश्चिम बंगाल के हुए विधानसभा चुनाव में ओवैसी की पार्टी को कुछ ज्यादा हाथ नहीं लगा था। तो क्या ओवैसी उत्तर प्रदेश में अपनी जड़ें जमाने में कामयाब हो पाएंगे, क्योंकि इससे पहले ओवैसी बहराइच और पूर्वांचल के कई जिलों के दौरे पर रह चुके हैं।

श्रीराम एयरपोर्ट से प्रभावित 107 परिवारों को विस्थापित किए जाने की मिली मंजूरी

जनपद के 10926 लाभार्थियों को सौंपी गयी पीएम व सीएम आवास योजना की चाभी

अयोध्या। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने बताया कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तारीकरण से प्रभावित धर्मपुर शहादत व जनौरा के 107 परिवारों को उनकी सहमत से विस्थापित किए जाने के दृष्टिगत सभी परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से लाभान्वित करने हेतु भेजे गए डी0पी0आर0 की मंजूरी प्राप्त हो गई है। शीघ्र इन सभी परिवारों को आवास निर्माण हेतु प्रथम किस्त भी प्रदान की कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पूर्व में ही नगर निगम अयोध्या क्षेत्र में विस्थापित किये गये इन सभी 107 परिवारों को तहसील द्वारा अन्य स्थान पर भूमि उपलब्ध कराई गयी है, जहाँ पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अन्तर्गत आवास निर्माण कराने हेतु धनराशि 2 लाख 50 हजार रूपये की धनराशि प्रदान की जायेगी। जिसके लिये डी0पी0आर0 मंजूर हो चुका है। इस योजनान्तर्गत सभी 107 लाभार्थियों को 20 से 25 दिन के अन्दर ही 50–50 हजार रुपये प्रथम किश्त की धनराशि प्रदान कर दी जायेगी और जब लाभार्थी कुर्सी लेवल (थ्वनदकंजपवद स्मअमस) तक आवास का कार्य पूर्ण कर लेगा तब उसे द्वितीय किश्त की धनराशि 1 लाख 50 हजार रूपये प्रदान की जायेगी उपरोक्त दोनो किश्त में प्राप्त धनराशि 2 लाख रूपये के सापेक्ष लाभार्थी जितनी जल्दी अपने आवास का कार्य पूर्ण कर लेगा उतनी ही जल्दी उसे तृतीय, अन्तिम किश्त की धनराशि 50,000 हजार रूपये प्रदान कर दी जायेगी। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री व सरकार की मंशा अनुसार मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के विस्तारीकरण से प्रभावित शेष परिवारों को भी प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से लाभान्वित किए जाने हेतु डीपीआर शीघ्र शासन में प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विस्तारीकरण से प्रभावित परिवारों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के साथ ही सभी सुविधाएं प्रदान की जायेगी।

विकास भवन स्थित एनआईसी कक्ष में सांसद लल्लू सिंह, विधायक शोभा सिंह चौहान व जिलाधिकारी अनुज कुमार झा द्वारा जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लाभार्थियों को गृह प्रवेश व आवास की चाभी प्रदान की। जनपद में आज प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) व मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2020–21 व 2021–22 के तहत चयनित 14812 लाभार्थियों के आवासों में से पूर्ण 10926 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से आवास की चाभी सौंपी गई है। जिसके लिए सभी ब्लाकों पर कार्यक्रम का आयोजन कर जनप्रतिनिधियों द्वारा आवास की चाभियों का प्रतीकात्मक वितरण किया गया। जनपद स्तर पर विकास भवन के एनआईसी कार्यालय में सांसद लल्लू सिंह, विधायक शोभा सिंह चौहान व डीएम अनुज झा ने लाभार्थियों को आवास की चाभी सौपीं। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वर्ष 2020–21 में 11753 लाभार्थियों को आवास की स्वीकृति प्रदान की गई थी जिसमें से 10660 आवास हुए पूर्ण हो चुके हैं तथा वर्ष 2021–22 में 2526 लाभार्थियों के प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति प्रदान की गई जिसमें से 28 लाभार्थियों के आवास का कार्य पूर्ण हो चुका है इसी के साथ ही मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2020–21 व वर्ष 2021–22 में कुल 533 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया जिनमें से 238 लाभार्थियों द्वारा आवास का कार्य पूर्ण कर लिया गया है इस प्रकार उक्त 2 वर्षों में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण व मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत चयनित 14812 लाभार्थियों में से 10926 लाभार्थियों द्वारा अपने आवासों का कार्य पूर्ण कर लिया गया है जिन्हें आज प्रतीकात्मक रूप से आवाज की चाभी प्रदान की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा लखनऊ से लाभार्थियों से वार्ता भी की गई इस दौरान मुख्यमंत्री के संदेशों को भी सुना गया।

पानी के तेज बहाव में टूटा सड़क संपर्क मार्ग, आवागमन बाधित

इटियाथोक,गोंडा।(आरएनएस)पिछले दिनों हुई जोरदार बारिश के बाद क्षेत्र में जलभराव की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है। पुल, पुलिया धंसने के साथ ही संपर्क मार्गों का कटान होने से कई गांवों का एक दूसरे से संपर्क टूट गया है। इससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों का आरोप है, कि समस्या निस्तारण को लेकर प्रशासन की ओर से कोई प्रयास नही किए गए हैं। जिससे आम जन–जीवन प्रभावित है।मनवर नदीं में जलभराव के कारण इटियाथोक ब्लॉक क्षेत्र के गांव पंचायत नरौरा–भर्रापुर व नारेमहरी पुर सहित क्षेत्र के दर्जनों गांव में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई स्थानों पर बहाव तेज होने के कारण नाला,पुलिया क्षतिग्रस्त होने के साथ ही सड़कें बह गई है, जिससे लोगों को आवागमन बाधित होने के साथ ही गांवों का एक दूसरे से संपर्क टूट गया है। लगभग एक सप्ताह बीतने के बाद भी मनवर नदी के जलस्तर में कोई कमी नहीं आई है। इससे आमजन जीवन प्रभावित हो रहा है। भारी उफान के कारण नरौरा भर्रापुर गांव से होकर गुजरने वाली पक्की सड़क लगभग 10 फीट पानी में बह गया है।वहीं गांव के लोगों को लाने व ले जाने के लिए ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने तहसील प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने बताया, कि इससे लोगों के लिए आने जाने का रास्ता नही बचा है।प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों सहित मवेशी पालन व दूध का व्यवसाय करने वाले लोगों के अलावा दूर–दराज क्षेत्रों से आने जाने वाले सैकड़ों राहगीरों को सर्वाधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।आलम यह है, कि भारी जल बहाव से घिरे लोग दहशत में जी रहे हैं।

नौनिहालों के विद्यालय पहुँचने पर हुआ भव्य स्वागत

कटरा बाजार (गोंडा)। कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण पांच माह के बाद बुधवार को नौनिहालों के विद्यालय पहुँचने पर उनका भव्य स्वागत के साथ उत्साहवर्धन किया गया। विकास खंड कटरा बाजार के प्राथमिक विद्यालय बाबू पुर में प्रधान प्रतिनिधि अमर शुक्ला व प्रभारी प्रधानाध्यापक आशीष वर्मा ने सभी नौनिहालों को कोविड–19 का पालन करवाते हुए सभी छात्रों को मास्क वितरण करके रोली चंदन लगाकर माल्यर्पण कर स्वागत व उत्साहवर्धन किया। विद्यालय में परिसर में स्वागत से नौनिहालों के चेहरे खिल गये। प्रभारी प्रधानाध्यापक आशीष वर्मा ने सभी नौनिहालों को बताया कि सभी लोग फेस मास्क लगाकर ही समय से विद्यालय आयें। इस अवसर पर सहायक अध्यापक अरविंद कुमार, शिक्षा मित्र अवधेश कुमार शुक्ल, सफाई कर्मी ज्ञानेश पांडेय सहित रसोइयां व नौनिहाल उपस्थित रहे।वही प्राथमिक विद्यालय कटरा बाजार प्रथम के बच्चे भी काफी उत्साहित नजर आए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक साकेत मिश्र ने बताया कि बच्चों मे उत्साह दिखाई पड़ रहा है।शासन द्वारा जारी कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए शिक्षण कार्य किया जा रहा है।

महंगाई के विरोध में वामपंथी दलों ने किया प्रदर्शन

अयोध्या। वामपंथी दलों के राष्ट्रीय आह्वान पर फैजाबाद शहर के सिविल लाइन्स क्षेत्र में तहसील सदर के सामने स्थित तिकोनिया पार्क में वामपंथी दलों के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने जोरदार धरना देकर जिलाधिकारी के प्रतिनिधि तहसीलदार सदर को 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा,यह ज्ञापन देश के राष्ट्रपति को संबोधित है। धरना स्थल पर हुई सभा की अध्यक्षता भाकपा के जिला सचिव कामरेड रामतीर्थ पाठक, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)के जिला सचिव अशोक यादव ने संयुक्त रूप से की। सभा का संचालन अवथराम यादव एडवोकेट ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में वामदलों के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। धरना स्थल पर हुई सभा को संबोधित करते हुए किसान संयुक्त मोर्चा के संयोजक मायाराम वर्मा ने केन्द्र की भाजपा सरकार द्वारा बनाए गए कृषि कानूनों को निरस्त कराने की मांग लेकर किसानों द्वारा चलाए जा रहे आंदोलन पर विशेष चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की हठवादिता के कारण लगभग 650 किसान आन्दोलन के दौरान शहीद हो चुके हैं लेकिन यह गूंगी,बहरी ,अंधी सरकार तानाशाही करते हुए किसानों की बात सुनने में रूचि नहीं ले रही है। आने वाले दिनों में पूरे देश के अंदर बड़ा किसान आंदोलन होगा जिसमें जनता की पूरी भागीदारी होगी और इस सरकार का तख्ता पलट करने में जनता कामयाब होंगी । धरने को संबोधित करते हुए भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रामतीर्थ पाठक ने कहा कि किसान,नौजवान, मजदूर और जन विरोधी ये सरकार दिन महंगाई बढ़ाती जा रही है। डीजल– पेट्रोल और गैस के दाम प्रतिदिन बढ़ रहे हैं जिससे जनता के ऊपर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। सरकार जनता की आवाज के सुनने के बजाय दमनकारी रास्ता अख्तियार कर उसे दबाने का कार्य रही है जो सरकार की तानाशाही का परिचायक है। जनवादी नौजवान सभा के प्रदेश सचिव सत्यभान सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि देश के करोड़ों– करोड़ों नौजवान बेरोजगार हैं। उन्हें उनकी क्षमता और योग्यता के अनुसार सरकार न तो नौकरिया दे रही है और न ही रोजगार मुहैया करा रही है ।देश का नौजवान बेरोजगार होकर या तो आत्महत्या कर रहा है या दर–दर की ठोकरें खा रहा है। सीपीएम के बाबूराम ,नौजवान सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, ए आई टी यू सी के कांशीराम यादव, विनोद सिंह, अनिरुद्ध प्रताप मौर्य,यशोदानंदन कृष्ण एडवोकेट, अवधेश निषाद ,खेत मजदूर यूनियन के अखिलेश चतुर्वेदी, नौजवान सभा के पूर्व जिला अध्यक्ष बद्रीनाथ यादव,भाकपा के जिला सहायक सचिव संपूर्णानंद बागी, ज्ञान प्रकाश सहित अन्य लोगों ने संबोधित किया।

धरनाकारियों ने जिलाधिकारी के प्रतिनिधि तहसीलदार को एक सात सूत्रीय ज्ञापन दिया, जिसमें मांग की गई है कि कृषि विरोधी तीनों कानूनों को निरस्त किया जाए। किसानों की फसल का एमएसपी कानून बनाकर गारंटी युक्त किया जाए। मनरेगा के तहत मजदूरों को प्रतिदिन कम से कम 250 दिन काम मुहैया कराया जाए और उन्हें 600 प्रतिदिन न्यूनतम मजदूरी दी जाए। बेरोजगारों को रोजगार देने के लिए भगत सिंह रोजगार गारंटी कानून बनाया जाए तथा डीजल, पेट्रोल और गैस के बढ़ते दामों के कारण हुई मूल्य वृद्धि तत्काल प्रभाव से वापस ली जाए। अंत में सभा का समापन अध्यक्ष मंडल के साथी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव अशोक यादव ने किया उन्होंने अपने संबोधन में किसानों, मजदूरों,विद्यार्थियों के साथ – साथ नौजवानों और सर्वहारा वर्ग के लोगों को संगठित होकर लाल झंडे के नीचे आकर जनांदोलन करने के लिए सड़क पर उतरना चाहिए तभी यह गूंगी बहरी और तानाशाह सरकार सुनेगी अन्यथा इसके कानों तक जनता की आवाज नहीं पहुंचेगी।

पांच दिन पूर्व सरयू नदी में छलांग लगाने वाले युवक का शव करीब 3 किलोमीटर दूर नदी में उतराता मिला

करनैलगंज(गोंडा)। पांच दिन पूर्व सरयू नदी के पुल से नदी में छलांग लगाने वाले युवक का शव करीब 3 किलोमीटर दूर नदी में उतराता मिला। जिसे पुलिस पोस्टमार्टम को भेजने की तैयारी कर ही रही थी तब तक सरयू नदी पर बने रेलवे पुल से एक व्यक्ति ने छलांग लगा दी। जिसकी तलाश के लिए एसडीआरएफ राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम लगी हुई है। विगत 28 अगस्त को करनैलगंज नगर से 3 किलोमीटर दूर सरयू नदी पर बने पुल एक 37 वर्षीय युवक ने नदी में छलांग लगा दी थी। सूचना मिलने के बाद से लगातार पुलिस और पीएसी के जवान उसकी तलाश में लगे रहे। उसका शव बुधवार को ग्राम मुंडेरवा के किनारे सरयू नदी में उतरता हुआ मिला। जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अज्ञात युवक का मिला शव

सोहावल–अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र के तहसीनपुर बाजार के पास टोल प्लाजा से महज चंद कदम की दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक 35 वर्षीय अज्ञात युवक का नग्न अवस्था में शव मिलने पर स्थानीय ग्रामीणों में हडकंप मच गया।घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस को शव के पास एक ट्रेवेल बैग और मिले कपड़ों की जामा तालाशी करते हुए शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये भेजवायाध गया।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक रौनाही शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि मृतक की जामा तालाशी में किशोर यादव के नाम की प्रीतम पुरा दिल्ली अस्पताल की पर्ची मिली।पर्ची में उल्टी दस्त के मरीज की दवा की पर्ची होने से दिल्ली से जिला गोरखपुर निवासी होने का और किसी बस अथवा अन्य वाहन से फेके जाने का अनुमान लगाकर शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।ग्रामीणों के अनुसार युवक को तड़पते हुए देखा गया ।लेकिन यहां तक कैसे पहुंचा किसी को इस मामले में जानकारी नहीं है।

कथावाचक और उसके पुत्र के विरुद्ध छेड़खानी का मुकदमा दर्ज

मिल्कीपुर–अयोध्या। खंडासा थाना क्षेत्र के कलंदर पुर गांव में कथावाचक एवं उनके पुत्र के विरुद्ध छेड़खानी सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक कलंदर पुर गांव अंतर्गत भटपुरवा में बीते कोरोना काल में ग्रामीणों द्वारा कथा का आयोजन किया गया था कथा के दौरान भारी संख्या में महिला एवं परुष मौजूद थे रात्रि कथा के दौरान अचानक बिजली गुल हो गई थी। ग्राम वासी सोमनाथ शर्मा का आरोप है कि बिजली गुल हो जाने के बीच कथाकार महंत कप्तान गिरी ने महिलाओं के साथ छेड़खानी की। मामला दूसरे दिन खंडासा थाने पहुंचा था किंतु खंडासा पुलिस ने प्राथमिकी नहीं दर्ज की थी। जिसके बाद पीड़ित सोमनाथ शर्मा ने न्यायालय की शरण ली और मामले में अधिवक्ता विक्रम सिंह ने पैरवी की। जहां न्यायालय ने कथाकार कप्तान गिरी एवं उनके पुत्र विकास गिरी निवासी सैमसी थाना मवई के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किए जाने का आदेश दिया। जिसके आधार पर प्रभारी निरीक्षक नीरज सिंह ने कथावाचक कप्तान गिरी एवं उनके पुत्र विकास गिरी के विरुद्ध धारा 354, 504, 506 आईपीसी के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों को मिला गृह प्रवेश की चाभी

गोण्डा। परियोजना निदेशकधजिला विकास अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष –20–21 एवं 21–22 के पूर्ण आवासों के लाभार्थियों का गृह प्रवेशध चाभी वितरण कार्यक्रम सफलता पूर्वक संम्पन हुआ।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारीध्प्रभारी जिलाधिकारी श्री शशांक त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी श्री सूरज पटेल, डीसी एनआरएल, जिला अध्यक्ष श्री अमर किशोर कश्यप (बम बम),सांसद गोंडा प्रतिनिधि रमाशंकर मिश्रा, सौरभ श्रीवास्तव, प्रकाश श्रीवास्तव, अनुराग चौधरी एवं अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली की हालत जर्जर, कोटेदारों की मनमानी के साथ दबंगई चरम पर

सफीपुर उन्नाव। केंद्र की मोदी सरकार ने जहाँ एक ओर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत गरीब जनता के लिए खाद्यान्न वितरण व्यवस्था सुनिश्चित किया है व लॉक डाउन में प्रवासी मजदूरों को निशुल्क राशन उपलब्ध कराने का निर्देश जारी किया है वहीं जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली की हालत बहुत ही खराब है व कोटेदारों की मनमानी के साथ दबंगई चरम पर है। पूर्ति कार्यालय के चहेते एवं चर्चित राशन माफिया विकास खण्ड सफीपुर के मउ मंसूरपुर के निलंबित राशन विक्रेता के खिलाफ जांच ''नो दिन चले अढ़ाई कोष'' की कहावत चरितार्थ कर रही है। निलंबित कोटा पुनः बहाल करने की भनक पाकर शिकायत कर्ता मदनलाल, बाबूलाल, श्रीपाल, बुद्धिलाल आदि दर्जनों शिकायत कर्ताओ ने तहसील समाधान दिवस में जिलाधिकारी से मिलकर आरोप पत्र केविपरीत निलम्बित राशन दुकान बहाल करने की पूर्ति कार्यालय की साजिश का खुलासा करते हुए मांग की निलंबित दुकान बर्खास्त कर राशन विक्रेता के विरुद्ध दर्ज हो आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत रिपोर्ट।मालूम हो कि विकास खण्ड सफीपुर के मउमंसूर पुर के राशन विक्रेता कृपाशंकर शुक्ल विकास खण्ड के चर्चित राशन विक्रेता है उनकी मजबूत पकड़ पूर्ति कार्यालय पर रहती है तथा तहसील के राशन विक्रेताओं का नेतृत्व करते है जिसके चलते पूर्ति कार्यालय का उन्हें वरदहस्त मिलता रहता है जिसका लाभ उठाकर वह अपनी राशन की दुकान पर अनियमतायें करते रहते है विगत वर्ष कोरोना संक्रमण काल मे उनके द्वारा की गई गम्भीर धांधली की शपथ पत्र के साथ ग्रामीणों ने शिकायत की थी जिसमे प्रॉक्सी के तहत बिना राशन वितरित किए राशन हड़पने का गम्भीर आरोप था जिस पर जिलाधिकारी के निर्देश पर हुई जांच के बाद राशन दुकान निलम्बित कर दी गई थी फिर जांच के नाम पर कभी विकास खण्ड तो कभी नायब तहसीलदार जांच करते रहे तथा शिकायतकर्ताओं को जांच के नाम पर भटकाया जाता रहा है इस बीच कुछ दिन के लिए तहसील में एक पूर्ति निरीक्षक की तैनाती हो गई जिसने प्रतिभूति राशि जब्त करते हुए निलम्बित कोटा बहाल कर दिया जिसकी भनक मिलते ही शिकायत कर्ता खाद्य आयुक्त सहित पुनः जिलाधिकारी की चौखट पर जाकर शिकायत हुई जिसके चलते पुनः 23 दिसम्बर 2020 को दुकान निलम्बित कर विक्रेता को 11 जनवरी 2021 को आरोप पत्र जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा गया था जवाब तो नही आया लेकिन शिकायतकर्ताओं की माने तो फर्जी अभिलेखों के जरिए दुकान बहाल करने का ताना बाना पूर्ति कार्यालय एवं राशन विक्रेता ने बीनना शुरू कर दिया जिसकी भनक जैसे ही शिकायत कर्ताओ को लगी तो उन्होंने तहसील समाधान दिवस में पहुचे जिलाधिकारी को शिकायती प्राथनापत्र सौप दुकान बर्खास्त करने की मांग की जिलाधिकारी में समयावधि में गुणवत्तापरक ढंग से कार्यवाही कर निस्तारण के निर्देश दिए।तहसील समाधान दिवस निस्तारण की तय समय सीमा का आज अंतिम दिन है अभी तक कार्यवाही शून्य है अब देखना है कि शिकायतकर्ताओ का संघर्ष जीतेगा या फिर राशन विक्रेता की पैसों की खनक।बताया जाता है कि राशन विक्रेता को सत्ता के एक जनप्रतिनिधि का संरक्षण प्राप्त है जबकि शिकायतकर्ता भी सत्ता एवं संगठन के नेताओ के करीबी है अब शह मात की लड़ाई में कौन जीतेगा यह भविष्य के गर्त में है?

समूह के बजाय कोटे के चयन के लिए नियमों की अनदेखी का लगाया आरोप

करनैलगंज(गोंडा)। समूह के बजाय कोटे के चयन के लिए नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया गया है। विकास खंड करनैलगंज अंतर्गत ग्राम उल्लहा निवासी रंजीत कुमार ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र दिया है। जिसमें कहा गया है, कि बीते 28 अगस्त को उसके ग्राम पंचायत में उचित दर विक्रेता के चयन के लिये खुली बैठक आयोजित हुई। जिसके लिये चयन समिति के पास उसने भी आवेदन कर दिया। उसके बाद पता चला कि नामांकन कोई भी करे शासनादेश के अनुसार स्वयं सहायता समूह के नाम कोटे की दुकान का आवंटन होना तय हैं। जिस पर उसने चयन समिति के सदस्यों से अपना आवेदन पत्र वापस देने को कहा, मगर किसी ने अमल नही किया। बल्कि स्वयं सहायता समूह को चयन प्रक्रिया से बाहर करते हुये समूह के मतदाताओं को उसके खाते में जोड़ते हुये कीर्तिवर्धन मिश्रा के नाम से उचितदर विक्रेता का प्रस्ताव बना दिया है।

पुलिस की टीम ने गांवों में चौपाल लगाकर महिलाओं को किया जागरूक

करनैलगंज(गोंडा)। मिशन शक्ति के तहत पुलिस की टीम ने गांवों में चौपाल लगाकर महिलाओं को जागरूक किया। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र के निर्देशन में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए थाना कोतवाली करनैलगंज के अंतर्गत ग्राम सभा करनैलगंज ग्रामीण में चौपाल लगाकर मिशन शक्ति टीम ने अभियान के बारे में महिलाओं एवं बालिकाओं को जानकारी दी तथा सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर वूमन पावर लाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, यूपी आपातकालीन 112,एंबुलेंस सेवा 108 इत्यादि के बारे में अवगत कराया। टीम की पुलिस कर्मियों ने चौपाल के दौरान महिलाओं से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना तथा महिला हेल्प लाइन नम्बर 1090 के पोस्टर को दृष्टव्य स्थान पर चस्पा किया।

सेवानिवृत्त पुत्र ने माता पिता की 75 वीं वैवाहिक वर्षगांठ धूमधाम से मनायी

सफीपुर उन्नाव। देश के स्वतंत्र होने के एक पखवारे बाद वैवाहिक जीवन प्रारंभ करने वाले दंपत्ति ने अपने विवाह की हीरक जयंती अपने पौत्र एवम् प्रपौत्रों के साथ हर्षोल्लास के साथ मनाई।पांच वर्ष पूर्व सेवा निवृत्त हुए पुत्र ने अपने माता पिता की 75 वीं वैवाहिक वर्षगांठ को बड़े ही धूमधाम के साथ मनाते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया।

सफीपुर नगर निवासी सरोज मिश्रा सिंचाई विभाग से 5 वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त हुए हैं उन्होंने अपने माता पिता की 75वीं वैवाहिक वर्षगांठ बड़े ही धूमधाम से मनाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मिश्र के पिता देवी दयाल तथा माता राजवती का विवाह देश की आजादी के 15 दिनों बाद हुआ था।जिनके चार पुत्र व दो पुत्रियां हैं । जिनमे से सरोज मिश्रा सबसे बड़े हैं जो बड़ी मान मन्नतों से विवाह के लगभग 10 वर्षो बाद जन्मे थे। जिनकी उम्र लगभग 65 वर्ष है जो 5 वर्ष पूर्व सिंचाई विभाग से सेवा निवृत्त हुए हैं।दिनेश कुमार मिश्रा 60 वर्ष, अनिल कुमार 57 वर्ष,प्रेम लता 55 वर्ष,स्नेहलता 53वर्ष तथा सबसे छोटे पुत्र विनोद कुमार मिश्रा 51वर्ष हैं जो तीन बार नगर पंचायत सफीपुर के सभासद रह चुके हैं। सौभाग्य शाली मिश्र के पौत्र दिलीप कुमार मिश्रा उर्फ गुड्डू मौजूदा समय में जिला पंचायत सदस्य हैं। मिश्र के पिता देवी दयाल उम्र लगभग 97 वर्ष जो सींचपाल के पद पर कार्यरत रहे हैं मौजूदा समय में जिले के सबसे बुजुर्ग पेंसनर बताए जाते हैं तथा उनकी पत्नी राजवती उम्र लगभग 96 वर्ष एक कुशल ग्रहणी हैं जो सुख पूर्वक अपना दांपत्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं। जनपद में इस तरह के जोड़े बहुत ही कम मिलेंगे जिन्हे 75वीं वर्षगांठ मनाने का सौभाग्य प्राप्त होता है। मिश्र के पुत्रों ने अपने माता पिता के वैवाहिक जीवन की इस 75वीं वर्ष गांठ को यादगार बनाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगो में जनप्रतिनिधियों तथा गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं दी।

चौकी इंचार्ज ने जिगना चौकी को बनाया जेल 24 दिन से बन्द कर मांगा जा रहा पैसा,वीडीओ वायरल

गोण्डा। मनकापुर कोतवाली के जिगना चौकी इंचार्ज ने जिगना चौकी को जिले का दूसरा जेल बना रखा है।चौकी क्षेत्र के घमंडी पुत्र अर्जुन निवासी भलुहा मौजा ज्ञानीपुर पिछले 8 अगस्त से जिगना चौकी जेल में बन्द है।घमंडी का किसी ने चुपके से वीडीओ बना लिया और वायरल कर दिया है। चौकी में बन्द घमंडी ने बताया कि उसे 8 अगस्त को पकड़ कर लाया गया है आज 24 दिन हो गया है,घर वालो,बीबी बच्चो का रो रो कर बुरा हाल है बच्चे खाने के लिये भूखे मर रहे है ।मुझे चौकी इंचार्ज ओझा जी पकड़ लाये है दस हजार रुपये भी ले लिए, छोड़ने के लिये और पैसा मांग रहे है।एक ब्यक्ति से 2–3 लाख लेकर मेरी हत्या कराना चाह रहे है।

बाढ़ पीड़ितों से मिले अधिवक्ता नगेन्द्र श्रीवास्तव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के दर्जनों गाँव बाढ़ की चपेट में है। विगत 25–26 दिनों से रुके हुये पानी से लोगों में स्वास्थ्य का खतरा बना हुआ है। बीते दिनों डायरिया से 4 लोगों मौत से पूरा प्रशासन सतर्क हो गया। इसी क्रम में गुरुवार को बढ़नी ब्लॉक में रेड़वरिया में जिलाधिकारी सहित मुख्य चिकित्साधिकारी मय स्वास्थ कर्मी टीम से प्रभावित गाँव के लोगों की जाँच कर उन्हें दवा आदि उपलब्ध कराई। बाढ़ प्रभावित गाँव खैरी शीतल प्रसाद के टोला नकोलेडीह व मुराव डीह ले।लोगों ने बताया कि भुताहवा गाँव के बँधे का कटान हो तो ही पानी की निकासी सम्भव होगी, अन्यथा घोरहिया नदी–बूढ़ी राप्ती नदी अपनी तबाही की बारदात लिखेंगी। बाढ़ पीड़ितों के दर्द को जानने के लिए जनपद के सुप्रसिद्ध अधि

- रेड़वरिया में डायरिया से हुई थी 4 लोगों की मौत
- मौत की सूचना पाकर कुंभकर्णी नींद से जागा स्वास्थ्य प्रशासन, डीएम के निर्देश पर सीएमओ का दौरा

ावक्ता एवं समाजसेवी शोहरतगढ़ निवासी नगेंद्र कुमार श्रीवास्तव उर्फ गुड्डू भैया के नेतृत्व में उनकी तहसील क्षेत्र के ग्राम खैरी शीतल प्रसाद में जाकर उनसे मिले और गाँव के दो टोलों में नाव द्वारा भोजन को लोगों के बीच वितरण किया। विदित हो कि चारों तरफ से बाढ़ के पानी से घिरे इस ग्राम पंचायत के लोगों की बदतर स्थिति बनी हुई है। गांव के लोग जान जोखिम में डालकर बड़ी मुश्किल से अपनी जरूरत की चीजों को लेने तुलसियापुर , सिसवां,बढ़नी, शोहरतगढ़ को जाते हैं। ऐसे बाढ़ से अभाव ग्रस्त गांव की ओर अधिवक्ता नगेंद्र कुमार का ध्यान गया और उन्होंने सबके हाथ, सबके साथ, बैनर तले नगर पंचायत शोहरतगढ़ के लोगो के द्वारा तैयार की गयी भोजन सामग्री (लाई, पानी, बिस्कुट व पूड़ी ,सब्जी पराठा आदि) को तैयार किये जाने की स्थित में राम जानकी मन्दिर मे इकट्ठा कर उन्होने अपने सहयोगियों के साथ ले जाकर ग्राम खैरीशीतल प्रसाद मेअपने सहयोगीयो के साथ (जिसमें अर्जुन, श्रवण पटवा (पत्रकार) गुड्डू उपाध्याय, रवि सिंह आदि) के सहयोग से भूखे प्यासे लोगो के बीच नाव के द्वारा भोजन का पैकेट व अन्य सामग्री को पहुंचाया जो कि एक निहायत सराहनीय कार्य है। ज्ञातव्य हो, अधिवक्ता नरेंद्र कुमार सबके साथ, सबके हाथ, बैनर तले कोई दैवीय आपदा हो या फिर भीषण ठंडक में लोगों तक लोगों के द्वारा इकट्ठा किए गए वस्त्रों को पहुंचाने का कार्य अपने सहयोगियों के माध्यम से प्रत्येक वर्ष करते रहें हैं ।ऐसे समाज हितकारी कार्यों को करने का सबके हाथ, सबके साथ, बैनर तले करने का एक सनद रहा है। यहां तक बाढ़– पीड़ितों की बात है काश! इसी तरह अपने आप को समाजसेवी होने का दावा करने वाले लोग व जनप्रतिनिधि अपनी कोशिश में जुट जाते तो बाढ़ से जूझ रहे लोगो का दुःख, दर्द, भूख–प्यास मिटाया जा सकता था ।

मधवापुर–चेतिया–जिगनिहवा मार्ग गड्ढे में, राहगीरों की परेशानी दूर करने की मांग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। बांसी तहसील के प्रमुख सड़कों में

दस किलोमीटर लम्बा मधवापुर, चेतिया, जिगनिहवा, मार्ग की हालत बदहाल है। सड़क पर हर कदम पर जानलेवा गड्ढे है। अक्सर राहगीर चोटिल हो जाते है। इस मार्ग से हजारों राहगीरों को परेशानियों से गुजरना पड़ता है। बांसी विधानसभा क्षेत्र के स्वास्थ्य मंत्री का है, यहां जिगनिहवा से मधवापुर जोड़ने वाली दस किलोमीटर सड़क पांच वर्ष पूर्व प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनी थी। मगर देखते ही देखते सड़क टूटकर गड्ढे में तब्दील हो गई। इस मार्ग पर आने जाने वाले लोगो को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे स्थिति और भयावह हो जाती है। आशीष श्रीवास्तव, पशुपति लाल श्रीवास्तव, प्रिंस श्रीवास्तव, महिपाल सिंह, उपेंद्र सिंह, सत्यप्रकाश द्विवेदी, संतोष श्रीवास्तव, शिव संगम शुक्ला, पप्पू मोदनवाल, अजय तिवारी, आदि लोगो का कहना है कि इतनी खराब सड़क पूरे जनपद में कहीं नहीं है जर्जर सड़क पर आए दिन हादसा होता रहता है, सबसे ज्यादा परेशानी दो पहिया वाहनों को उठानी पड़ती है, लोगो का कहना है कि खराब सड़क होने के कारण हम लोगो को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सड़क में बने गड्ढे से होकर गुजरना हर पल खतरे का कारण बना रहता है। मधवापुर, जिगनिहवा, बांसी और जिला मुख्यालय से आने का यही मुख्य मार्ग है, लेकिन इस मार्ग पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

बाढ़ की मार झेल रहे ग्रामीणों की बढ़ रही मुसीबत, अबतक नही मिली राहत सामग्री

ब्लाक क्षेत्र के पेंड़ारी मुस्ताहकम तथा धनोहरा गांव के लोगों को अब भी राहत की आस

सच्चिदानन्द मिश्रा/
दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवो के लोग आज दोहरी मार झेलने को विवस है। करीब बीस दिनों से बाढ़ की त्रास्दी झेल रहे ग्रामीणों को अबतक सरकारी सहायता या राहत सामग्री नसीब नही हुआ। भनवापुर ब्लाक क्षेत्र के सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित गांव पेंड़ारी मुस्ताहकम तथा धनोहरा गांव के लिए बाढ के पानी से निकलने के लिए नाव की कोई ब्यवस्था नही है। धनोहरा गांव निवासी हजारी प्रसाद यादव ने बताया कि गांव में किसी की अचानक तबियत खराब हो जाता है तो उसे कंधे या जुगाडू नाव का सहारा लेना पड़ता है एक मोटर वोट कहने के लिए मिली है मगर वह एसडीएम, जेई,लेखपाल के साथ नेताओं

की सेवा में रहती है। आकिब पेडारी मुस्तहकम निवासी ने बताया कि बीस दिनों से बाढ़ की समस्या से परेशान हैं। अधिकारी और नेता आते और निरीक्षण की औपचारिका पूरी कर कोरा आश्वासन देकर चले जाते हैं। पेंड़ारी मुस्तहकम निवासी संजय विश्वकर्मा ने कहा कि लोगों के घरो मे पानी भर गया है खाना बनेने और खाने के साथ सोने की समास्या काफी दैनीय स्थिती है। सूरज ने कहा कि हम लोगों को खाने के लिए राशन के साथ अन्य खाद्य सामग्री की समास्या उत्पन्न हो गयी मगर अभी तक कोई राहत सामग्री सरकार के तरफ से नही मिली है। जमालू.ईस्लाम अनीस आदि ने बताया कि जिन महिलाओं का मयका बाढ़ प्रभावित गांव नही है, मयके अपने पति व बच्चो को लेकर पलायन कर रहे हैं।

जिला जज ने लोक अदालत को लेकर किया बैठक

एम0पी0सिंह/दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ, के निर्देशा पर जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, प्रमोद कुमार शर्मा की अध्यक्षता में दिनांक 11–09–2021 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के तत्वाधान में जनपद सिद्धार्थनगर में लम्बित वादो को अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किए जाने हेतु विशेष बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत प्रमोद कुमार सिंह–द्वितीय, पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चन्द्रमणि, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य के रूप में सम्मिलित जिलाधिकारी दीपक मीणा, पुलिस अधीक्षक डा0 यशवीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक सुरेश चन्द्र रावत, यातायात उपनिरीक्षक अमरीश कुमार, प्रतिनिधि जिला गन्ना अधिकारी रवि प्रताप त्रिपाठी, जिला अल्पसंख्यक अधिकारी तन्मय पाण्डेय, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक वकील वर्मा, एवं जिला उद्यान अधिकारी एन0 एल0 वर्मा उपस्थित रहे। साथ ही साथ माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्धार्थनगर प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा जनपद सिद्धार्थनगर में दिनांक 10.07.2021 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में अमूल्य सहयोग प्रदान करने पर सुरेश चन्द्र रावत, अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्धार्थनगर प्रमोद कुमार शर्मा द्वारा बैठक में दिनांक 11–09–2021 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलो को निस्तारित किये जाने पर बल दिया गया एवं उपस्थित अधिकारीगण से विचार विमर्श किया गया। यह जानकारी चन्द्रमणि, पूर्णकालिक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्धार्थनगर द्वारा दी गयी।

स्वक्ष भारत मिशन को प्लीता लगा रहा नगर पंचायत भारत भारी

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। तहसील डुमरियागंज के नगर पंचायत भारत

भारी मे जिम्मेदारो द्वारा स्वक्ष भारत मिशन की धज्जिया उड़ाते देखा जा रहा अजगरा और आमोंना पांडेय जाने वाले पिच रोड के दोनों तरफ नगर पंचायत कस्बे का निकला कचरा सड़क के सटे फेक दिया जाता है वही क्षेत्र वासियो का आरोप है की कचरा फेकने से राहगीरों एवं स्थानीय लोगों को काफी दिक्कते होती है और जिम्मेदार नजर अंदाज कर रहे है नगर पंचायत ई ओ ने इस संबंधा मे कुछ बोलने से आनाकानी कर रहे जहाँ देश –प्रदेश की सरकार स्वक्षता को लेकर बड़े बड़े दावे कर रही है और स्वक्ष भारत मिशन चला रही है वही नगर पंचायत भारत भारी मे यह सड़क के किनारे फेके जाने वाला कचरा सरकार को ठेंगा दिखा रहा है और सरकार से भय मुक्त होकर जिम्मेदार क्षेत्र वासियो को बीमारियों का खजाना परोस रहे है जो आने वाले समय मे महामारी का रूप लेगा ऐसा क्षेत्र मे चर्चा चल रहा है और यह भी लोगों का कहना इससे बेहतर गांव ही था कम से कम ऐसी गंदगी नहीं होती थी। डुमरियागंज क्षेत्र के नेताओं का आना जाना लगा रहता है इसी रास्ते से सरकार की योजनाओं को पहुंचाने के लिए अनवरत कार्यक्रम होते रहते है लेकिन यहां नेताओं की नजर बंद है जिससे आने जाने वाले राहगीरों सहित क्षेत्रीय लोगों को काफी परेशानी है।

उपजिलाधिकारी ने किया विद्युत केंद्र का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का सन्देश , डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। तहसील

के अन्तर्गत उपजिलाअधिकारी त्रिभुवन ने डुमरियागंज अंतर्गत विद्युत की आपूर्ति को शत–प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए अधिशासी अभियंता विद्युत डुमरियागंज के साथ पावर स्टेशन सिरसिया का भ्रमण किया गया, जिसमें आने वाली समस्याओं का निराकरण किया गया ताकि शत प्रतिशत विद्युत आपूर्ति की जा सके। यहां पर तैनात अवर अभियंता मनोज कुमार, परिचालक लाल शर्मा, परिचालक देवेंद्र मौर्या, परिचालक नरेंद्र कुमार ,श्रमिक अशोक कुमार ,श्रमिक राहुल मिश्रा ,श्रमिक शिवकुमार द्वारा विकट परिस्थितियों में भी स्वयं को संकट में डालते हुए सिरसिया में पानी भरने पर भी विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए विद्युत विभाग सिरसिया के कर्मचारियों को प्रोत्साहित करते हुए धन्यवाद दिया गया और उनके इस कार्य की सराहना की गई।विद्युत प्लांट सिरसिया सहित समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिरसिया फायर स्टेशन सिरसिया पानी में डूबा हुआ है। तहसील डुमरियागंज अंतर्गत लगभग 90 गांव बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं। विद्युत विभाग द्वारा विकट परिस्थितियों में भी शत–शत विद्युत आपूर्ति की जा रही है जबकि बाढ़ 1985 के स्तर की है, यह एक अभूतपूर्व उदाहरण है।आम जनता से भी अपील की गई है कि ऐसी परिस्थितियों में विद्युत विभाग का सहयोग करें एवं धैर्य बनाए रखें। साथ में विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी, अवर अभियंता, लेखपाल उपस्थित रहे।

ई०ओ० से मिला शोहरतगढ़ व्यापार प्रतिनिधि मण्डल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

- अधिषासी अधिकारी ने व्यपारियों की सुनी समस्याएं, निस्तारण का दिलाया भरोसा
- शीघ्र दूर होगी व्यापारियों की समस्याएं- अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने व्यापार से संबंधित कई मुद्दों पर अधिशासी अधिकारी अनिल कुमार से वार्ता की। बैठक में साप्ताहिक बंदी, व्यापारियों को मिलने वाली सुविधा, नगर पंचायत प्रशासन से व्यापार मण्डल का सहयोग, कुशल व अकुशल कारीगरों को मिलने वाली सुविधा, वाहन पार्किंग का मुद्दा, सहित व्यापारियों की सुरक्षा का मुद्दा अहम रहा। अध्यक्ष शैलेन्द्र कौशल ने कहा कि शोहरतगढ़ व्यापार मण्डल का कार्य शोहरतगढ़ के सभी व्यापारियों को सुरक्षा देना है और शोहरतगढ़ व्यपारियो के लाभ हेतु हर सम्भव प्रयास करने को तैयार है, ताकि शोहरतगढ़ के व्यापार को बढ़ावा मिल सके। वरिष्ठ महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता (सभासद) ने की व्यापार मंडल हमेशा व्यापारियों के हित की बात करें, साप्ताहिक बन्दी का अनुपालन कराना विभाग का कार्य है, न कि व्यापार मण्डल का। इस दौरान उपाध्यक्ष मुकेश पोद्दार ने बेतरकीब खड़ी वाहनों का मुद्दा उठाया और कहा कि बेतरकीब वाहनों से लोगों को दिक्कत होती है, इस समस्या का भी निदान होना चाहिए, इस पर अपनी बात दावेदारी से रखी। इसके साथ ही खुनुवा बाइपास मार्ग के लेवल से नगर पंचायत की सड़कों को मिलाने की बात कही गई। एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि शोहरतगढ़ के सीमा विस्तारित क्षेत्र नीबी दोहनी अन्तर्गत नहर पर घटना में वाहन क्षतिग्रस्त हो गयी थी, जब मेन सड़क से दूसरी सड़को का लेबल बराबर होगा, तो दुर्घटनाओं की आंशका कम होगी। इस दौरान नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ गुप्ता ने कहा कि कार्यालय में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं को सुना गया और उन्हें दूर करने हेतु अधिषासी अधिकारी अनिल कुमार को निर्देशित भी किया गया, कि व्यपारियों की मांगों पर अमल कर उनका निस्तारण कराए। अधिषासी अधिकारी अनिल कुमार ने कहा नगर पंचायत प्रशासन शोहरतगढ़ व्यापारियों के साथ ही, शोहरतगढ़ का विकास प्रथम जिम्मेदारी होगी। इस दौरान राजेन्द्र कुमार कान्दू, बृजबिहारी मिश्रा, महेश कसौधन, राशिद, रविन्द्र कुमार उर्फ बबलू, रूपेश वर्मा, रवि गुप्ता, श्रवण पटवा, प्रशान्त मिश्रा आदि मौजूद रहे।

बाढ़ पीड़ितो के घर जाकर बाटे राशन- सुरेश यादव

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसकाधसिद्धार्थनगर। नगर पंचायत उसका बाजार में बाढ़ का पानी घुसने से लोगो की काफी समस्याएं हो रही है और लोगो को

निकलने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है नगर पंचायत उसका बाजार के सटे कूड़ा नदी के सटे आद्या प्रसाद नगर वार्ड नंबर 15 बाढ़ की पानी घुसने से लोगो को निकलने की काफी समस्या हो रही है नगर पंचायत उसका बाजार के अध्यक्ष प्रतिनिधि एवं सपा नेता सुरेश यादव ने लोगो के घर जाकर बाटी राशन सामग्री और सुरेश यादव का कहना है कि जब जब नगर पंचायत वासियों को दिक्कत होगी सुरेश यादव ने लगभग 400 घर बाढ़ प्रभावित लोगो में जाकर उनका हाल जाना और राशन सामग्री वितरण किया गया नगर पंचायत वासियों ने राशन सामग्री पाकर लोग नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरेश यादव को धन्यवाद भी दिया।

राम नरेश यादव नौगढ़ व लवकुश राजभर उसका बाजार के बने ब्लाक अध्यक्ष

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष चंद्रमणि यादव ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को मुख्यालय के होटल में आयोजित आवश्यक बैठक में कपिया बुकनिहा ग्रांट के प्रधान राम नरेश यादव को नौगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष पद पर एवं कर्मा के प्रधान लवकुश राजभर को अभाप्रसं उसका बाजार विकास खंड ब्लॉक अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी है। जिलाध्यक्ष चंद्रमणि यादव ने कहा सरकारें प्रधानों के अधिकार को आए दिन एक एक करके कम रही है। जो ग्राम प्रधानों के हित में नहीं है। इसके लिए मजबूत संगठन होना जरुरी है। जो हमारे हितो की लड़ाई लड़के 73वां संशोधान में मिले अधिकार को पूरी तरह से लागू करा सके। मनोनीत ब्लाक अध्यक्षों ने कहा अपने सभी दायित्वों का ईमानदारी पूर्वक निर्वाहन करूंगा। संगठन को मजबूती प्रदान करते हुए प्रधानों के हक के लिए लड़ाई लड़ते रहेंगे। इस दौरान अभाप्रसं जिला प्रवक्ता विजय यादव, जिला उपाध्यक्ष राजेश पासवान, ब्लाक प्रभारी बांसी जवाहिर यादव, अशोक पांडेय आदि मौजूद रहे।

गौशालों का हुआ औचक निरीक्षण, मिला निर्देश

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में बाढ़ को दृष्टिगत रखते हुए गौशाला के नोडल अधिकारीध्अपर निदेशक ,पशुपालन विभाग, बस्ती मंडल बस्ती डॉ आरएन नायक ने औचक निरीक्षण दौरा किया। निरीक्षण के दौरान अपर निदेशक डॉ आर एन नायक ने विकास खंड बर्डपुर,नौगढ़ तथा जोगिया में स्थित अस्थाई गौ आश्रय स्थल, पिपरसन,रामगढ़, महादेवा लाला, सिरसिया, नगवा का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में गौशाला की साफ–सफाई, कंपोस्ट पिट में

ही गोबर को डालने, वृक्षारोपण करवाने तथा पशुओं को हरा चारा देने के विषय में ग्राम प्रधान एवं संबंधित को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के क्रम में अपर निदेशक ने पशु चिकित्सालय जोगिया का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। तत्पश्चात वृहद गौ संरक्षण केंद्र मेहरिया से स्थानांतरित पशु अस्थाई गौ आश्रय स्थल, रेहरा का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी नौगढ़ सदर डॉ अखिलेश कुमार सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी बर्डपुर,जोगिया, पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण कुमार प्रजापति, सहायक विकास अधिकारी,नौगढ़ (सहकारिता) अंबरीश यादव के साथ ग्राम प्रधान नसीम अहमद इत्यादि उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान, रामगढ़ द्वारा गौशाला पर बिजली की व्यवस्था उपलब्ध कराने तथा गौशाला तक पक्के सड़क का निर्माण कराने हेतु नोडल अधिकारी से निवेदन किया गया। रामगढ़ गौशाला पर लगभग 100 कुंतल भूसा और दाना पर्याप्त मात्रा में पाया गया। सभी पशु स्वस्थ पाए गए। उक्त जानकारी पशुधन प्रसार अधिकारी अरुण कुमार प्रजापति ने दी।

सम्पादकीय

वहीं स्कूल–कालेज खोलने का सिलसिला शुरू हो गया है। बच्चों के लिये देश में निर्मित वैक्सीन क्लीनिकल ट्राइल में तो सफल रही है लेकिन टीका उपलब्ध होने में वक्त लगेगा, तब तक सावधानी ही विकल्प है। निश्चित रूप से त्योहारी माहौल में लापरवाही खतरनाक...

उपलब्धि के बावजूद

हम देश की उस दोहरी उपलब्धि पर गर्व करें, जिसमें हमने लक्षित आबादी के आधे लोगों को एक वैक्सीन लगा दी है और एक दिन में एक करोड़ लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य हासिल किया। देश ने नब्बे करोड़ वयस्क आबादी को कोविड–19 के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने हेतु टीकाकरण का लक्ष्य रखा है। पिछले दिनों हमने इसमें से आधी आबादी को टीका लगा दिया। हालांकि अभी पंद्रह फीसदी आबादी को ही दोनों टीके लगे हैं। बीते शुक्रवार को हमने एक करोड़ टीके लगाने का लक्ष्य हासिल किया। गत सोलह जनवरी को शुरू हुए टीकाकरण अभियान में यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। टीकाकरण पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह ने उम्मीद जगाई है कि सवा करोड़ टीके एक दिन में लगाने का लक्ष्य हासिल किया जायेगा। इस उम्मीद का आधार यह है कि पहले दस करोड़ टीके जहां 85 दिन में लगे, वहीं पचास से साठ करोड़ टीके लगने में महज 19 दिन लगे। टीकाकरण का अनुभव व टीकों की उपलब्धता भी इसमें सहायक साबित होगी। निस्संदेह यह हमारे स्वास्थ्य तंत्र की बड़ी उपलब्धि है। दरअसल, 31 दिसंबर तक देश की वयस्क आबादी के टीकाकरण लक्ष्य को हासिल करने के लिये रोज एक करोड़ लोगों को टीका लगाने की जरूरत है। लेकिन अक्तूबर में तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच टीकाकरण के उच्च लक्ष्य हासिल करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, जिसमें केंद्र के साथ ही राज्यों की भी उतनी ही जिम्मेदारी बनती है। यह अच्छी बात है कि अगस्त माह में टीकाकरण अभियान में हमने आशातीत सफलता हासिल की है, जिसमें उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र सबसे आगे हैं। हिमाचल में भी 99 फीसदी लक्षित आबादी को एक टीका लग चुका है। राज्य ने तीस नवंबर तक पूर्ण टीकाकरण का लक्ष्य रखा है। देश में 63 करोड़ लोगों को अब तक एक टीका लग चुका है। हालांकि, यह चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा है, लेकिन पूरी आबादी को टीका लगाने का लक्ष्य अभी चुनौती है। फिर भी हम न भूलें कि बीते रविवार को कोरोना संक्रमण का आंकड़ा पिछले दो माह में सर्वाधिक पैंतालीस हजार से ऊपर पहुंचा है। इसी चिंता के चलते मोदी सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों समेत कई कोरोना से जुड़े प्रतिबंधों का दायरा सितंबर तक बढ़ा दिया। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लगातार तीसरी लहर को लेकर चेता रहे हैं। वैसे तो कोरोना संक्रमण के आंकड़ों में आया उछाल केरल में तेजी से बढ़ते आंकड़ों की वजह से है, लेकिन शेष देश को भी अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए। केरल सरकार से पूछना चाहिए कि तुष्टीकरण के चलते एक धार्मिक आयोजन पर कोरोना कर्फ्यू में तीन दिन की छूट सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को नजरअंदाज करके क्यों दी गई थी? क्यों कोरोना महामारी से सफलता से जूझने वाली स्वास्थ्य मंत्री को हटाया गया, जिसके प्रयासों की विश्व स्वस्थ्य संगठन ने भी तारीफ की थी? साथ ही महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम आदि राज्यों में संक्रमण की बढ़ती दर चिंता की बात है दरअसल, कोरोना संक्रमण में आई गिरावट को देखते हुए हमने मान लिया कि शायद कोरोना की विदाई हो गई। हमने बचाव के प्राथमिक उपायों, मसलन मास्क लगाना, सुरक्षित दूरी और साबुन से हाथ धोने की अनदेखी शुरू कर दी। चिंता की बात यह है कि देश में रक्षाबंधन व जन्माष्टमी के साथ ही त्योहारों की शृंखला शुरू हो गई है। जिस अवधि में तीसरी लहर की आशंका है, उसमें पितृपक्ष, नवरात्रों, दशहरा व दीपावली की पर्व शृंखला शुरू होती है।

मोबाइल तंत्र में ज्ञान का लोकतंत्र

आलोक पुराणिक

ऑनलाइन शापिंग वेबसाइट अभी कुछ दिन पहले ग्रीष्म सेल चला रही थीकृ मोबाइल ले लो, फिर मानसून सेल में भी उसने यही कहा कि मोबाइल ले लो। ओके। फिर स्वतंत्रता दिवस की सेल पर भी यही कहा कि मोबाइल ले लो।

फिर गणेश उत्सव की सेल में भी वह शापिंग वेबसाइट यह बतायेगीकृमोबाइल लीजिये, एकदम खास आपके लिए। फिर दीवाली सेल पर तो उसे यह बताना ही है कि मोबाइल लेना तो आपका कर्तव्य है। मोबाइल के इतने आफर आसपास टहल रहे हैं कि मुझे फील हो रहा है कि जीवन का एकमात्र उद्देश्य मोबाइल खरीदना ही है। मोबाइल खरीदना ही नहीं, बल्कि बार–बार लगातार मोबाइल खरीदना ही उद्देश्य है। अभी एक कंपनी ने मोबाइल लांच किया, जिसे मोड़ा जा सकता है, करीब डेढ़ लाख का मोबाइल। यह बात मैंने मोबाइल के एक सेल्समैन से कही कि डेढ़ लाख में तो एक जमाने में शादी हो जाया करती थी। उसने मुझे बताया मोबाइल और शादी में समानता यह है कि दोनों में सुनने का इंतजाम होता है। पर मोबाइल में दो राहतें हैं, एक तो आप इसे साइलेंट कर सकते हैं, दूसरा यह कि डेढ़ दो साल में यह निपट लेता है।

उसका आशय यह था कि डेढ़ लाख में ले लीजिये, राहत रहेगी। स्पेशल मोबाइल है, इसे मोड़ सकते हैं। एक मोबाइल आया था लाख से ऊपर का, उसमें बताया गया था कि कतई चिरकुट टाइप लोगों की सेल्फी भी इसमें बहुत ही स्मार्ट आती है। बंदे में स्मार्टनेस न हो तो कोई भी दिक्कत नहीं, महंगा स्मार्टफोन खरीदने की क्षमता है तो हर कोई स्मार्ट दिख सकता है। पर भाई कितना स्मार्ट दिखें, हर महीने नयी स्मार्टनेस के चक्कर में नया फोन ही खरीदते रहें।

मोबाइल सेल्समैन ने जवाब दियाकृक्या हर्ज है। हर महीने खरीदिये। मुडने वाले फोन से फोटो खींचिये, बीस कैमरे वाले फोन से खींचिये सेल्फी, बस खरीदिये। मोबाइल प्रधान विश्व कर रखा। अजब हाल है, किसी से मिलने जाइये, उस घर में छोटे बच्चे हों, तो वो सबसे पहले मोबाइल पकड़ते हैं और मोबाइल पर लग जाते हैं। बड़े मोबाइल की बातें करते हैं, मोबाइल के मॉडलों की बात करते हैं। मोबाइल की बातें हैं, मोबाइल पर बातें हैं। खबर मोबाइल पर, मैसेज मोबाइल पर, मोबाइल से बाहर कोई दुनिया भी है, ऐसा नयी पीढ़ी के कई लोगों को पता नहीं है। मोबाइल पर ही शोक संवेदना, मोबाइल पर ही खुशी का इजहार, पर बंदा निपट ले तो उसे निपटाने के लिए ऑफलाइन श्मशानघाट ही ले जाना पड़ता है। वहां मामला ऑनलाइन नहीं हो सकता। यह मोबाइल की सीमा है। वरना कोई कंपनी इस तरह का सॉफ्टवेयर ले आती कि डेड बॉडी को स्कैन करें, अपने आप हमारा सॉफ्टवेयर उसे निपटा देगा। सब को मोबाइल ही निपटायेगा, बल्कि निपटा ही रहा है। सुबह से शाम तक मोबाइल से हासिल ज्ञान से कोई भी बड़े–बड़े प्रोफेसरों को निपटा देता है। बड़े–बड़े विद्वान व्हाट्सएप पर बरस रहे ज्ञान के आगे धराशायी हो जाते हैं। हजार मोबाइलों पर व्हाट्सएप ज्ञान के आगे एक प्रोफेसर की एक किताब हार जाती है। यह ज्ञान का लोकतंत्र है, जिसका मैसेज ज्यादा शेयर हो गया, वह ज्ञानी।

शीघ्र कार्रवाई को लेकर कोर्ट सख्त

डेल कारनेगी अपनी पुस्तक हाउ टू विन फ्रेंड्स एंड इनफ्लुएंस पीपलश में कहते हैं कि दूसरों को बेहतरीन छवि दें, जिसके अनुरूप वे जी सकें।श नीरज चोपड़ा अपने इस स्वर्ण पदक को शपिग्मेलियन प्रभावश का चमत्कार ही मानते हैं। इस बार नीरज चोपड़ा के कोच के साथ ही उसके इर्द गिर्द के सभी लोगों को पूरा विश्वास था कि नीरज चोपड़ा ओलंपिक में पदक प्राप्त करके आएंगे। वह लगातार हर...

अनूप भटनागर

उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में एक आदेश में कहा कि उच्च न्यायालय की मंजूरी के बगैर सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामले वापस नहीं लिये जा सकते। यह आदेश निश्चित ही लोकतांत्रिक व्यवस्था में सुधार के लिए एक शुभ संकेत है, लेकिन इससे आपराधिक छवि वाले नेताओं को चुनाव लड़कर संसद या विधानमंडल में पहुंचने से रोकना संभव नहीं है।

आपराधिक छवि वाले नेताओं और निर्वाचित प्रतिनिधियों के खिलाफ लंबित आपराधिक मामले वापस लेने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना जरूरी है लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। जघन्य अपराधों के साथ ही सफेदपोश अपराधों के आरोपी नेताओं को चुनाव प्रक्रिया से बाहर करने के लिए जरूरी है कि इनके खिलाफ मुकदमों पर तेजी से निर्णय सुनाया जाये क्योंकि अदालत द्वारा दो साल या उससे अधिक की सजा मिलने की स्थिति में वे स्वतरू ही जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत चुनाव लडने के अयोग्य हो जायेंगे। आपराधिक छवि वाले व्यक्तियों को निर्वाचित होकर संसद या विधानमंडल में पहुंचने से रोकने के लिये राजनीतिक दलों, पुलिस–प्रशासन और आपराधिक छवि वाले व्यक्तियों के गठजोड़ को तोडना बहुत जरूरी है। इस गठजोड़ को तोडने के लिये जांच एजेन्सियों को किसी भी तरह के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष दबाव से मुक्त कराना होगा। सुनिश्चित हो कि आपराधिक छवि वाले व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज मामलों की तेजी से जांच करके अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया जाये और निचली अदालतें तेजी से इन पर सुनवाई करके अपने फैसले सुनायें।

दरअसल, आपराधिक मामलों में इन माननीय नेताओं के खिलाफ जांच ही पूरी नहीं होती। जांच पूरी नहीं होती है तो आरोप पत्र दाखिल नहीं होते हैं। आरोप पत्र दाखिल नहीं होता है तो मुकदमा चलाने के लिये अभियोग निर्धारित नहीं हो सकते और ऐसे मुकदमे अधर में ही लटके रहते हैं। उच्चतम न्यायालय की मंशा है कि आपराधिक छवि वाले इन नेताओं के खिलाफ लंबित मुकदमों के तेजी से निपटारे हों। न्यायालय के सख्त रुख के बाद केन्द्र सरकार ने इन नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें गठित कीं लेकिन इसके बाद भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। इसकी वजह जांच एजेंसियों के कामकाज में सत्तारूढ़ दलों की ओर से पडने वाला कथित दबाव और पर्याप्त संख्या में इन एजेंसियों के पास स्टाफ का नहीं होना भी है। सांसदों और विधायकों के खिलाफ लंबित मामलों की सुनवाई में विलंब की एक वजह अचानक ही संबंधित अदालत के न्यायाधीश का तबादला भी होती है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए अब शीर्ष अदालत ने आदेश दिया है कि सांसदों और विधायकों के विरुद्ध मामले की सुनवाई कर रहे विशेष अदालतों के न्यायाधीशों का अगले आदेश तक स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। हालांकि, न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति और मौत जैसे अपवादों में यह आदेश लागू नहीं होगा।

यह सही है कि विशेष अदालतें नेताओं से संबंधित मुकदमों की सुनवाई कर रही हैं लेकिन इनकी रफ्तार अपेक्षित नहीं है। किसी न किसी वजह से इन अदालतों में सुनवाई स्थगित होती रहती है। यह स्थिति तब है जब शीर्ष अदालत कह चुकी है कि विशेष अदालतें सांसदों और विधायकों से संबंधित उन आपराधिक मुकदमों को प्राथमिकता दें, जिनमें अपराध के लिए उम्र कैद या मौत की सजा हो सकती है।

यही नहीं, न्यायालय ने तो 16वीं लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले मार्च, 2014 में एक आदेश में कहा था कि जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 8 (1), धारा 8 (2) और धारा 8 (3) के दायरे में आने वाले अपराधों में मुकदमे का सामना कर रहे सांसदों और विधायकों के मामले, जिनमें आरोप निर्धारित हो चुके हैं, यथासंभव एक साल के भीतर सुनवाई पूरी की जाए। यदि किसी वजह से ऐसे मुकदमे की सुनवाई एक साल के भीतर पूरी नहीं होती है तो विशेष अदालत को इसके कारणों के साथ उच्च न्यायालय को स्पष्टीकरण देना था। इसके बावजूद नेताओं के खिलाफ गंभीर अपराधों के मुकदमों की सुनवाई अपेक्षित गति नहीं पकड़ सकी। स्थिति की गंभीरता का अनुमान इस तथ्य से भी लगाया जा सकता है कि डाकेजनी, अपहरण, जबरन वसूली, बलात्कार, बलात्कार के प्रयास, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे अपराधों से इतर बड़ी संख्या में सांसद और विधायक सफेदपोश अपराध के आरोपों का भी सामना कर रहे हैं। यह विडंबना ही है कि इस समय 51 पीठासीन और पूर्व सांसदों सहित 120 से ज्यादा निर्वाचित प्रतिनिधियों के खिलाफ धनशोधन के आरोपों की प्रवर्तन निदेशालय जांच कर रहा है जबकि 121 अन्य ऐसे ही माननीयों के खिलाफ तरह–तरह के अपराध के आरोपों में सीबीआई ने भी मामले दर्ज कर रखे हैं। प्रधान न्यायाधीश एनवी रमणा ने चिंता व्यक्त की और कहा कि प्रवर्तन निदेशालय के पास 76 मामले 2012 से लंबित हैं जबकि सीबीआई के पास 2000 से 58 मामले लंबित हैं। यह अपने आप में सारी स्थिति बयां कर रहे हैं। ऐसा महसूस होता है कि सत्तारूढ़ दल और नौकरशाही भी स्थिति में बदलाव नहीं करना चाहते। सत्तारूढ़ दलों में अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति होती तो निश्चित ही वे दूसरी मदों पर धन व्यय करने की बजाय अदालतों और न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने पर ध्यान देते। न्यायपालिका को ही यह सुनिश्चित कराना होगा कि जांच एजेंसियां निर्धारित समय के भीतर जांच पूरी करके अदालत में आरोप पत्र दाखिल करें और विशेष अदालतों में किसी भी कीमत पर सुनवाई टाली नहीं जाये।

राज्यों की स्थिति और भी कठिन है। केरल में सरकार का 70 प्रतिशत बजट सरकारी कर्मियों के वेतन देने में खप जाता है और तमिलनाडु में 71 प्रतिशत। तमिलनाडु में सरकारी स्कूल के हेड मास्टर को 103,000 रुपये प्रति माह का वेतन दिया जा रहा है जो कि निजी स्कूल में 15,000 रुपये मात्र ही होगा। इसके बावजूद सरकारी विद्यालयों में छात्रों का रिजल्ट निजी विद्यालयों की तुलना में कमजोर ही ...

जन कल्याण में बाधा न बनें सरकारी नौकरियां

भरत झुनझुनवाला

संविधान निर्माताओं ने कल्याणकारी राज्य की कल्पना की थी। यह कहने की जरूरत नहीं कि जनकल्याण हासिल करने के लिए सरकारी कर्मियों की नियुक्ति करनी ही होगी। जैसे हाईवे बनवाने के लिए अथवा सार्वजनिक वितरण प्रणाली को लागू करने के लिए सरकारी कर्मियों की नियुक्ति करना आवश्यक होता ही है। सोच है कि सरकारी कर्मी अपने कार्यों का निष्ठापूर्वक सम्पादन करके देश के आर्थिक विकास में योगदान देंगे और जनकल्याण हासिल करेंगे। लेकिन यदि सरकारी कर्मियों को सरकार इतना अधिक वेतन देने लगे कि विकास और जनकल्याण दोनों ठप हो जाएं तो हम संविधान की भावनाओं के विपरीत चल पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में सरकारी कर्मियों का कल्याण प्राथमिक और जनकल्याण गौण हो जाता है।

विश्व बैंक ने श्वैश्विक परिदृश्य में सरकारी वेतन्य नाम से अध्ययन किया। इसके अनुसार वियतनाम में देश के नागरिक की औसत आय की तुलना में सरकारी कर्मी का औसत वेतन 90 प्रतिशत होता है। यदि वियतनाम के नागरिक की औसत आय 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 90 रुपये है। चीन में यदि नागरिक का औसत वेतन 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 110 रुपये बैठता है। लेकिन भारत में यदि नागरिक का औसत वेतन 100 रुपये है तो सरकारी कर्मी का औसत वेतन 700 रुपये है। यह बात विश्व बैंक की रपट बताती है।

वियतनाम और चीन के नागरिक का औसत वेतन आज भारत की तुलना में अधिक है। लेकिन जब इन देशों के नागरिक का औसत वेतन भारत के समतुल्य था तब भी सरकारी कर्मियों का वेतन इसी अनुपात में था। गौर करने की बात यह है कि वियतनाम और चीन दोनों ही हमसे बहुत अधिक तीव्रता से आर्थिक विकास हासिल कर रहे हैं। इससे संकेत मिलता है कि भारत की आर्थिक विकास दर के न्यून होने के पीछे एक कारण यह हो सकता है कि भारत की श्राष्ट्रीय आय्य का उपयोग सरकारी कर्मियों की श्खपत्य को पोषित करने में खप रहा है। फलस्वरूप जनकल्याण और आर्थिक विकास दोनों पीछे होते जा रहे हैं।

इसी क्रम में विश्व बैंक ने बताया है कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत में गिरावट हो रही है। वैश्विक स्तर पर 2009 में सरकारी खपत देश की कुल आय का 18.0 प्रतिशत थी जो कि 2014 में घटकर 17.2 प्रतिशत हो गयी और 2019 में घटकर 17.1 प्रतिशत रह गयी। तुलना में भारत में सरकारी खपत बढ़ती जा रही है।

वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2014 में देश की आय में सरकारी खपत का हिस्सा 10.4 प्रतिशत था जो 2020 में बढ़कर 12.6 प्रतिशत हो गया है। स्पष्ट है कि जहां वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत में गिरावट आ रही है वहीं भारत में सरकारी खपत में तीव्र वृद्धि हो रही है। यहां यह स्पष्ट करना होगा कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत लगभग 17 प्रतिशत की तुलना में भारत में 12 प्रतिशत है। कारण यह है कि तमाम देशों में सरकारी कर्मियों की नियुक्ति अधिक संख्या में की गयी है। जैसे भारत में एक लाख नागरिकों के पीछे 139 सरकारी कर्मी हैं जबकि अमेरिका में एक लाख नागरिकों के पीछे 668 सरकारी कर्मी हैं। अमेरिका में भारत की तुलना में सरकारी कर्मियों की संख्या लगभग पांच गुना है। यानी भारत में 12.6 प्रतिशत सरकारी खपत में 139 कर्मी नियुक्त हैं तो अमेरिका में 17. 1 प्रतिशत सरकारी खपत में 668 कर्मी नियुक्त हैं।

अतरू हमें इस बात से विचलित नहीं होना चाहिए कि वैश्विक स्तर पर सरकारी खपत ज्यादा है। हमें इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि भारत में कम संख्या में कर्मियों द्वारा अधिक खपत क्यों की जा रही है। समस्या यह है कि अपने देश में सरकारी खपत में वृद्धि हो रही है जबकि वैश्विक स्तर पर इसमें गिरावट आ रही है।

और भी चिंताजनक है कि विश्व श्रम संगठन के अनुसार कोविड संकट के दौरान भारत में सभी कर्मियों के वेतन में 3.6 प्रतिशत की गिरावट आई है जबकि असंगठित श्रमिकों के वेतन में 22.6 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह गम्भीर है क्योंकि एक तरफ सरकार की खपत में वृद्धि हो रही है और दूसरी तरफ नागरिक की आय में गिरावट आ रही है। स्पष्ट है कि भारत में सरकारी कर्मी जनता का कल्याण अथवा विकास में सहयोग देने के स्थान पर जनता का दोहन करने और विकास में गिरावट लाने की भूमिका अदा कर रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि सरकारी कर्मी अपना कार्य ईमानदारी से नहीं करते हैं। वे कार्य करते हैं। उनमें से कई ईमानदार भी हैं। लेकिन कार्य के लिए जिस प्रकार के वेतन उन्हें दिए जा रहे हैं, उनका देश पर विपरीत प्रभाव पड़ता दिख रहा है।

राज्यों की स्थिति और भी कठिन है। केरल में सरकार का 70 प्रतिशत बजट सरकारी कर्मियों के वेतन देने में खप जाता है और तमिलनाडु में 71 प्रतिशत। तमिलनाडु में सरकारी स्कूल के हेड मास्टर को 103,000 रुपये प्रति माह का वेतन दिया जा रहा है जो कि निजी स्कूल में 15,000 रुपये मात्र ही होगा। इसके बावजूद सरकारी विद्यालयों में छात्रों का रिजल्ट निजी विद्यालयों की तुलना में कमजोर ही रहता है। अतएव यह नहीं कहा जा सकता कि सरकारी कर्मियों को अधिक वेतन देने से उनकी कार्यकुशलता में सुधार हुआ है जबकि इनकी कार्यकुशलता में सुधार करने के लिए हर वेतन आयोग द्वारा कुछ संस्तुतियां की जाती हैं। इन्हें ठंडे बस्ते में रख दिया जाता है और केवल वेतन वृद्धि कि संस्तुतियों को लागू कर दिया जाता है। जैसे पांचवें वेतन आयोग ने कहा था कि क्लास श्एच अधिकारियों का प्रति पांच वर्ष पर बाह्य मूल्यांकन कराया जाए। इस संस्तुति को ठंडे बस्ते में रख दिया गया था और सरकारी कर्मियों के वेतन में लगभग दो गुना से अधिक वृद्धि कर दी गयी थी।

इस परिस्थिति में सरकार को वर्तमान सरकारी कर्मियों के वेतन में कटौती करके इन्हें तर्कसंगत बनाना केवल सातवां हिस्सा कर देना चाहिए, जिससे कि ये वियतनाम और चीन के समान हो जाएं।

इस बची हुई रकम से वर्तमान सरकारी कर्मियों की संख्या को बढ़ा दिया जाए। वर्तमान में यदि 2 करोड़ सरकारी कर्मियों हैं तो 12 करोड़ और कर्मियों को नियुक्त कर कुल 14 करोड़ सरकारी कर्मी नियुक्त कर दिए जाएं। ऐसा करने से दो विसंगतियां दूर हो जायेंगी। पहली यह कि हमारे सरकारी कर्मियों का वेतन दूसरे तीव्र विकास करने वाले देशों के समतुल्य हो जाएगा और दूसरा यह कि सरकार के पास 14 करोड़ कर्मियों की एक नयी फौज तैयार हो जायेगी, जिससे जनकल्याण और आर्थिक विकास के कार्य संपादित हो सकेंगे।

छात्रों के चेहरे पर भी दिखी रौनक

लार । कोरोना काल के बाद विद्यालय खुलते ही छात्रों के चेहरे पर रौनक लौट आई। कई विद्यालयों में उत्सव जैसा माहौल रहा। बीआरसी स्थित विद्यालय में तीन सौ छात्रों का नामांकन है, लेकिन पहले दिन छात्रों की उपस्थिति कम थी। आंबेडकर इंटरनेशनल स्कूल में बच्चे उत्साह के बीच पहुंचे। विद्यालय की प्रबंधक प्रतिभा तिवारी ने कहा कि जल्द ही पूर्व की भांति यहां छात्रों की उपस्थिति हो जाएगी। देसही देवरिया संवाददाता के अनुसार प्राथमिक विद्यालय सहवा में भी छात्रों की उपस्थिति ठीकठाक रही। प्राथमिक विद्यालय जैसौली व बालकुआं में भी छात्रों की उपस्थिति रही। तरकुलवा संवाददाता के अनुसार खरहरिया विद्यालय में जलभराव के बीच छात्र स्कूल पहुंचे और पढ़ाई किए। प्राथमिक विद्यालय गोपालपुर में भी छात्रों ने कोरोना प्रोटोकाल के तहत पढ़ाई की। खुखुंदू संवाददाता के अनुसार प्राथमिक विद्यालय खुखुंदू में छात्रों की उपस्थिति अच्छी रही। बरहज, रुद्रपुर, सलेमपुर, भाटपाररानी, भटनी, पांडेय चक, बैतालपुर, संवाददाताओं के अनुसार क्षेत्र में सरकारी व गैर सरकारी स्कूल खुल गए हैं।

चार इंच जमीन कब्जाने के इरादे से ले ली धर्मेंद्र की जान

देसही देवरिया, देवरिया। दोनों पड़ोसियों में अच्छे रिश्ते थे। एक दूसरे का सुख–दुख बांटते थे। मन में कोई दरार न था। महज चार इंच की जमीन कब्जाने के फेर में युवक अपना आपा खो बैठा। आवेश में आकर उसने धर्मेंद्र राव की जान ले ली। इस खूनी खेल से गांव के लोग अवाक हैं। हर किसी की जुबान पर घटना की चर्चा है। महुआडीह थाना क्षेत्र के बेलवा बाजार गांव का माहौल हर दिन से अलग था। गांव में शांति का माहौल गुस्से में बदल गया था। लोगों के चेहरे पर मायूसी छाई थी। लोगों का कहना था कि धर्मेंद्र राव व रामेश्वर राव के परिवार के बीच कुछ दिन पहले तक अच्छा माहौल था। दोनों परिवार एक दूसरे के काफी करीब थे। कुछ दिन पहले जमीन का विवाद उस समय शुरू हुआ, जब रामेश्वर राव ने मकान बनवाना शुरू किया। ग्रामीणों के मुताबिक, रामेश्वर राव ने अपनी जमीन में मकान बनवाया। कुछ दिन पहले लिटर हुआ था। रामेश्वर राव ने अपनी एक इंच भूमि मकान के बाद नहीं छोड़ी थी, लेकिन वह जबरदस्ती चार इंच का छज्जा निकाल रहे थे। जिसका धर्मेंद्र राव ने विरोध किया। विवाद के बाद रामेश्वर के स्वजन आग बबूला हो गए और गोली मारकर धर्मेंद्र की हत्या कर दी। एक दिन पहले खरीदी थी कार धर्मेंद्र ने एक दिन पहले कार खरीदी थी। जिसे वह घटना के वक्त धो रहे थे। धर्मेंद्र के बड़े भाई उपेंद्र राव भी दरवाजे पर मौजूद थे। घटना के बाद धर्मेंद्र के स्वजन में चीख पुकार मच गई। जिला अस्पताल में जब चिकित्सक ने रेफर किया तो उनके स्वजन का रोते रोते बुरा हाल था।

आडियोमेट्री यूनिट का एसी एक साल से खराब, जांच प्रभावित

देवरिया । महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल से संबद्ध जिला अस्पताल में आडियोमेट्री यूनिट महज दिखावा साबित हो रही है। साउंड प्रूफ कमरे का एसी खराब होने से बहरेपन की जांच नहीं हो पा रही है। मरीजों को लौटना पड़ रहा है। यह स्थिति पिछले एक साल से है। जिम्मेदारों ने अभी तक इसकी सुधि नहीं ली। ऐसे में जिला अस्पताल प्रशासन के रवैये पर सवाल उठने लगे हैं। तीन साल पहले जिला चिकित्सालय में राष्ट्रीय बधिरता बचाव एवं रोकथाम कार्यक्रम (एनपीपीसीडी) के तहत ईएनटीध्साउंड प्रूफ कक्ष में आडियोमेट्री यूनिट खुला। लोगों को लगा कि अब उन्हें गोरखपुर नहीं जाना पड़ेगा। कुछ दिनों तक सबकुछ ठीकठाक चला। जाड़े में भी मरीज देखे गए लेकिन गर्मी होते ही इस कक्ष में कोई भी कर्मचारी नहीं बैठता। साउंडप्रूफ कमरा होने के चलते हवा नहीं आती। लोगों को गर्मी में परेशानी होती है। कर्मचारियों ने गेट पर सूचना चस्पा किया है। कहा है कि एसी खराब होने के कारण आडियोमेट्री की जांच नहीं हो पाएगी। यह सूचना पढ़कर मरीज लौट रहे हैं। सिफारिश होने पर होती है जांच सिफारिश के बाद एक से दो मरीज कभी–कभी देखे जाते हैं। यहां आडियोलाजिस्ट राजेश वर्मा, असिस्टेंट आडियोलाजिस्ट नेहा गुप्ता व इंस्ट्रक्टर स्पीच थेरेपी रामकुमार की तैनाती है। दोपहर करीब 12.30 बजे सिफारिश के बाद असिस्टेंट आडियोलाजिस्ट नेहा गुप्ता ने महिला मरीज को देखा। उन्होंने बताया कि एसी एक साल से खराब है। दो फाटक के अंदर साउंड प्रूफ कक्ष होने से दम घुटने लगता है। इसलिए जांच करना मुश्किल हो जाता है। मरीज भी ज्यादा देर नहीं रुक पाते। इसके बारे में सीएमएस को बताया गया है।

पुल का एप्रोच क्षतिग्रस्त, आवागमन बाधित

नौतनवा विकास खंड नौतनवा के शेख फरेंदा टोला करमहिया– कैथवलिया उर्फ बरगदही मार्ग स्थित घाघरा नदी पुल का एप्रोच बीते सप्ताह उफनाई नदी से दोनों तरफ क्षतिग्रस्त हो गया है, जिससे ग्रामीणों को दो गुना लंबी दूरी तय करना पड़ रहा है। वहीं चार पहिया वाहनों का आवागमन बंद हो गया है। जिसको दुरुस्त कराने के लिए ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण छोटे लाल साहनी, राम मुहर्त, राजू साहनी, सुनील साहनी, बबलू यादव, मोहित साहनी, मनोज साहनी, प्रदीप प्रजापति, नंदलाल, विजय बहादुर आदि ने कहा कि चार माह पहले पुल का दक्षिणी एप्रोच ध्वस्त था। शिकायत के बाद विभाग ने बोरा में बालू भरकर अस्थाई रूप से मरम्मत कार्य किया था। लेकिन चार दिन पहले उफनाई नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा था। उसके बाद पुल का मार्ग दोनों तरफ से कटकर नदी में समा गया है, जिससे पैदल यात्रा करना खतरनाक हो गया है। बाइक व चार पहिया वाहन लंबी दूरी तय कर नौतनवा, खनुआ व हरदी डाली पहुंच रहे हैं। पीडब्ल्यूडी जेई आरती चौधरी ने बताया टेंडर हो गया है, जल्द ही एप्रोच व मार्ग को दुरुस्त कराने का कार्य शुरू हो जाएगा।

पहली बार मां बनने पर मिलेंगे पांच हजार

देवरिया। सीएमओ कार्यालय परिसर में सीडीओ रविद्र कुमार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना सप्ताह का शुभारंभ फीता काटकर किया। उन्होंने लाभार्थियों को पोषण किट भी दिए। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की विस्तार से जानकारी दी। सीडीओ ने कहा कि पहली बार मां बनने वाली महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। आशा कार्यकर्ता अधिक से अधिक लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिलवाएं। गर्भवती महिलाओं व गर्भ में पल रहे बच्चों के पोषण के लिए यह योजना चलाई गई है। मातृ व शिशु मृत्यु दर में कमी लाना इसका मकसद है। सीएमओ डा. आलोक पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत पांच हजार रुपये की धनराशि पहली बार मां बनने वाली महिला को दी जाती है। पंजीकरण कराने के साथ ही गर्भवती को प्रथम किस्त के रूप में एक हजार रुपये दिए जाते हैं। प्रसव पूर्व कम से कम एक जांच होने पर गर्भावस्था के छह माह बाद दूसरी किस्त के रूप में दो हजार रुपये, बच्चे के जन्म का पंजीकरण होने व बच्चे के प्रथम चक्र का टीकाकरण पूरा होने पर तीसरी किस्त के रूप में दो हजार रुपये दिए जाते हैं। भुगतान गर्भवती के बैंक खाते में होगा। इसके लिए आनलाइन पंजीकरण की व्यवस्था की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए टीकाकरण कार्ड, आधार कार्ड, बैंक व पोस्ट आफिस की पासबुक, शिशु का जन्म प्रमाणपत्र होना आवश्यक है। संचालन डा. अखिलेश त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर एसीएमओ डा. एसके चौधरी, अर्बन नोडल अधिकारी डा. बीपी सिंह, एसीएमओ संजय चंद, डीपीएम पूनम, डीसीपीएम राजेश गुप्ता, जिला कार्यक्रम समन्वयक हेमनरायण पांडेय, जिला कार्यक्रम सहायक अमित सिंह आदि मौजूद रहे।

सरयू व राप्ती के जलस्तर में उफान, 32 गांव बाढ़ से प्रभावित

बरहज । सरयू और राप्ती नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। 24 घंटे में 10 सेमी की जलस्तर में वृद्धि हुई है। पिछले वर्ष से दस सेमी ऊपर जलस्तर पहुंच गया है। बाढ़ से तहसील क्षेत्र के 32 गांव जहां प्रभावित हैं, वहीं किसानों की फसल डूब गई है। नगर का तिवारीपुर, पुराना बरहज, रगरगंज, केवटलिया, पटेल नगर, सरयू तट स्थित मंदिर, भदिला प्रथम, परसिया देवार के चार टोले, विशुनपुर देवार के 10 टोले पानी से घिर गए हैं। दो माह से सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। गांव और खेतों में लगातार जलभराव से लोगों की मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। जलभराव से संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। पशुओं के लिए चारे की समस्या बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि 98 की बाढ़ के बाद इस वर्ष अधिक समय तक गांव और खेतों में बाढ़ का पानी भरा है।

सरयू नदी शाम को 68.10 मीटर पर बह रही थी। नदी खतरे के निशान 66.50 मीटर से 1.60 मीटर ऊपर है। करीब 32 गांव की छब्बीस हजार आबादी और तीन हजार एकड़ फसल सहित भूभाग प्रभावित है। कुबाईच टोला, नौकटोला, विशुनपुर देवार, भदिला प्रथम, केवटलिया, रगरगंज के लोगों के लिए शुद्ध पीने के पानी की समस्या है। अर्से बाद इस तरह की बाढ़ आई है। फसलें खत्म हो गई है। बाढ़ के पानी से नदी पार मोहन सिंह सेतु अप्रोच मार्ग से परसिया देवार जाने वाला मार्ग डूब गया है। यहां पुलिया जर्जर है। टूटने पर आबादी प्रभावित होगी। बाढ़ प्रभावित लोगों में वितरित होगी राहत सामग्रीरू बाढ़ प्रभावित लोगों के वितरण के लिए तहसील में राहत सामग्री पैकेट पहुंचा गया है। तहसील प्रशासन वितरण की तैयारी में है। बाढ़ प्रभावित लोगों की सूची .तैयार करने में प्रशासन जुटा है। उपजिलाधिकारी संजीव कुमार यादव ने बताया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को राहत सामग्री वितरण के लिए आ गया है। राजस्व कर्मी प्रभावित लोगों की सूची तैयार कर रहे हैं। गुरुवार से राहत सामग्री का वितरण किया जाएगा।

पुष्प देकर हुआ विद्यार्थियों का स्वागत, स्कूल गुलजार

देवरिया । कोरोना काल के बाद परिषदीय व निजी विद्यालयों में कक्षा एक से पांच तक के छात्रों की पढ़ाई शुरू हो गई। शहर से लेकर देहात तक सरकारी व निजी विद्यालयों में छात्रों को पुष्प व गुलदस्ता देकर विद्यालय प्रशासन ने स्वागत किया। सैनिटाइजर से हाथ धोए गए। पहले दिन छात्रों में गजब का उत्साह दिखा। जिले के कुछ परिषदीय विद्यालयों में जलभराव के बावजूद छात्रों की उपस्थिति अच्छी रही। शिक्षक जल्द ही विद्यालयों में उपस्थिति पूर्व की भांति होने की बात कह रहे हैं। पहले दिन कुछ ऐसे भी विद्यालय नजर आए, जहां उपस्थिति इस कदर रही कि अब उन सरकारी विद्यालयों को दो शिफ्ट में संचालित करने की तैयारी की जा रही है। सुबह साढ़े आठ बजे शहर के गोरखपुर रोड स्थित सूर्या एकेडमी में कक्षा एक से पांच तक के छात्रों का आना शुरू हो गया। विद्यालय की प्रधानाचार्य मोनिका अरोरा के नेतृत्व में स्कूल के अन्य शिक्षक मुख्य द्वार पर गुलाब का फूल लेकर बच्चों के स्वागत में पहले से खड़े रहे।

जैसे ही स्कूल वाहन रुका कि कक्षा एक व दो के छात्र खिलखिलाते हुए मुख्य द्वार पर पहुंचे तो शिक्षकों ने गुलाब का फूल भेंटकर स्वागत किया। इस दौरान मास्क व शारीरिक दूरी का पालन करते करते हुए बच्चों की थर्मल स्क्रीनिग व हाथ सैनिटाइज किया गया। इसके बाद कक्ष में पहुंचे। कमरे में बच्चे कुछ देकर तक शांत रहे। उसके बाद आपस में बातचीत शुरू हो गई। पहले दिन कक्षा में बच्चों का हाल चाल जाना और होमवर्क के बारे में जानकारी ली गई। सभी को उत्साहित किया गया। सुबह 9.20 बजेः सदर विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय टड़वा के परिसर में जलभराव की स्थिति थी, जलभराव के बावजूद विद्यालय में 22 छात्र पढ़ाई करते हुए नजर आए। रसोइया भोजन पकाते मिले। प्रधानाध्यापक अनिल मिश्र द्वारा बिना मास्क के आए छात्रों को मास्क उपलब्ध कराया गया था। विद्यालय पढ़ने आए कक्षा दो के छात्र सर्वेश कुमार ने कहा कि बहुत दिनों के बाद विद्यालय में पढ़ने आए हैं। दूसरे गांव से पढ़ने आने वाले मित्रों से भी मुलाकात आज हुई है। सुबह 9.35 बजेः सदर विकास खंड के मुंडेरा बुजुर्ग प्राथमिक विद्यालय पर प्रधानाध्यापक अपने दो सहायक अध्यापक के साथ छात्रों को पढ़ा रहे थे। यहां 35 छात्रों की उपस्थिति उस समय तक थी। परिसर में कीचड़ के बावजूद छात्रों की उपस्थिति कम नहीं रही। यहां भी कोरोना प्रोटोकाल का पालन करते हुए छात्र नजर आए, सभी छात्र मास्क लगाकर पहुंचे थे। दो शिफ्ट में विद्यालय को संचालित करने की तैयारी सुबह 9.46 बजेः शहर से सटे तिलई प्राथमिक विद्यालय में भी छात्रों की उपस्थिति ठीक रही। यहां अधिकतर बच्चे बिना मास्क के ही पढ़ने आए थे। कुछ शिक्षिकाएं बिना मास्क के ही नजर आई। यहां भी छात्रों में उत्साह रहा। इस विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति ज्यादा होने के चलते दो शिफ्ट में विद्यालय को संचालित करने की तैयारी चल रही है। प्रधानाध्यापक लीलावती देवी ने कहा कि पूर्व माध्यमिक विद्यालय व प्राथमिक विद्यालय में छात्रों की उपस्थिति ज्यादा हो रही है। छात्रों को मास्क लगाकर आने की बात कही गई है। कुछ छात्रों को स्कूल पर मास्क भी उपलब्ध कराया गया है।

मुसीबत में जिंदगी गुजार रहे वनटांगिया गांव के लोग

महराजगंज । वनटांगिया बाहुल्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्र काधपुर दर्रा व बेलौहा में हालत बाढ़ आने के दो दिन बाद भी काफी खराब हैं। राहत व बचाव के नाम पर चुरा व बिस्कुट थमा कर प्रशासनिक अमले ने अपना कोरम पूरा कर लिया,लेकिन कांधपुर दर्रा व बेलौहा के वनटांगियों का हाल बेहाल है। भोजन व पेयजल के लाले हैं। रात बंधे पर कट रही है। घर व फसल को बाढ़ ने लील लिया। क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित लोग तबाही के बाद भी जरुरी सरकारी सहायता न मिलने से काफी परेशान हैं। यहां तबाही का मंजर देख पीड़ितों का दर्द समझते देर नहीं लगी। लक्ष्मीपुर क्षेत्र में चार किमी जंगल में बसे दो हजार आबादी वाले कांधपुर दर्रा व बेलौहा में बाढ़ ने जिस तरह से तांडव मचाया है। उससे लोगों को काफी मुसीबतों के बीच दिन गुजारना पड़ा। बाढ़ की विभीषिका ने बहुत से परिवारों का आशियाना तक छिन लिया है। सब कुछ तबाह होने के बाद लोगों को खाने पीने का संकट खड़ा हो गया है। गांव के सोनू राजू, सोमई, गणेश, पप्पू, प्रेम, रामहरक, रामधनी की माने तो बहुत से लोगों का मकान क्षतिग्रस्त कर दिया है। बावजूद इसके तहसील प्रशासन द्वारा बांटी गईं राहत सामग्री से लोग खुश नहीं हैं।

धुम धाम से मनाई गई स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व केशभान राय की जयन्ती

दैनिक बुद्ध का सन्देश

गोला/गोरखपुर। क्षेत्र के आनन्द विद्यापीठ इन्टर कालेज

ककरही गोरखपुर पर 2 सितम्बर दिन बृहस्पतिवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पुर्व शिक्षा राज्य मंत्री स्व केशभान राय की104 वीं जयंती धुम धाम से मनाई गई। विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक और शिक्षणेत्तर कर्मचारी और गणमान्य लोगों ने स्व राय साहब की मुख्य द्वार पर स्थापित मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर सादे समारोह के रूप में जन्म् दिवस मनाया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संरक्षक रवि प्रताप राय और संचालन अजय शुक्ल ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद कुमार सिंह, संरक्षक रवि प्रताप राय व शिक्षकों ने स्व केशभान राय की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर किया। संरक्षक रवि प्रताप राय ने यहां उपस्थित शिक्षकों को स्व केशभान राय के बताए मार्गों पर चलने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि स्व राय साहब एक आदर्श पुरुष थे। जो सादा जीवन उच्च विचार के आदर्शों को लेकर चलते थे। उनका मानना था कि हमे दिखावा नहीं करना चाहिए,हमें अपने कर्तव्यों का पालन पुरी निष्ठा और लगन के साथ करनी चाहिए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रबंधक शिव प्रताप राय, शिक्षक अनिल राय, अनिल यादव, समीर राय, रजनीश सिंह, दीपक सिंह, रामप्रकाश, बीरेन्द्र, चन्द्रमा चौधरी, प्रवेश मौर्य, अजय सिंह पटेल, विनोद तिवारी, शिव प्रकाश गुप्ता, दीनानाथ, महेंद्र प्रसाद आदि उपस्थित रहे.।

गन्ना आयुक्तने लिया किसानों के सुझावों का त्वरित संज्ञान

ऑनलाइन घोषणा–पत्र भरते समय खतौनी अपलोड़ करने की अनिवार्यता खत्म

गोरखपुर 2 सितम्बर 21। प्रदेश के गन्ना किसानों को बेहतर डिजिटल सुविधा प्रदान करने, उनके समय तथा धन की बचत कराने एवं कृषकों को आत्मनिर्भर बनाने के दृष्टिगत ऑनलाइन घोषणा–पत्र भरे जाने की सुविधा ई.आर.पी. की वेबसाइट मदुनपतल.बंदमनच.पद पर गन्ना विकास विभाग द्वारा उपलब्ध करायी गयी है। गन्ना किसानों को ऑनलाइन घोषणा–पत्रों को भरे जाने में आ रही कठिनाइयों को दूर करने हेतु परिक्षेत्रीय अधिकारियों को समय–समय पर विभाग द्वारा दिशा–निर्देश जारी किये जा रहे हैं। इस सम्बन्ध में परिक्षेत्रीय अधिकारियों के साथ हुए विचार–विमर्श एवं किसानों के सुझावों के आधार पर ऑनलाइन घोषणा–पत्र भरने की प्रकिया को और सरल किया गया है। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रदेश के आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया कि ऑनलाइन घोषणा–पत्र भरते समय की जटिल प्रक्रिया को सरलीकृत करने एवं कृषकों की सुविधाओं के दृष्टिगत कृषकों को संशोधन का विकल्प दिया गया है। किसानों से प्राप्त सुझावों के आधार पर राजस्व भूमि के प्रमाण के रूप में खतौनी अपलोड करने की व्यवस्था को कृषक हित में समाप्त कर दिया गया है, साथ ही आधार कार्ड के 04 अंकों के माध्यम से फार्म ओपन करने वाले कृषकों के फार्म में डाक्यूमेंट अपलोड के सेक्शन को भी डिसेबल करने का निर्णय गन्ना आयुक्त द्वारा लिया गया है। उन्होंने बताया कि कृषकों को ई.आर.पी. पर ऑनलाइन घोषणा–पत्र भरने हेतु कई संशोधन कराये गये हैं जिसके तहत सॉफ्टवेयर की कठिन भाषाओं को और सरल किया गया है जैसे आटम के स्थान पर ''शरदकालीन'', शेयर प्रतिशत के स्थान पर ''कृषक अंश'', गन्ना जाति के स्थान पर ''गन्ना किस्म'', खसरा संख्या के स्थान पर ''खतौनी खाता संख्या'' आदि सरल एवं व्यवहारिक शब्दों का प्रयोग कृषक हित में किया गया है। गन्ना कृषकों को घोषणा–पत्र में संशोधन के दौरान ग्राम संशोधन की व्यवस्था भी प्रदान की गयी है। भू–जोत (ब्रू।) का कृषक अंश यथा 1ध्3, 1ध्4 के रूप में दर्ज करने का विकल्प भी गन्ना किसानों को ई.आर.पी. सॉफ्टवेयर में उपलब्ध कराया जाएगा। घोषणा–पत्र में गन्ना क्षेत्रफल की इकाई हेक्टेअर में दी गयी है तथा डैशबोर्ड पर घोषणा–पत्र भरे जाने की स्थिति जोन, जिला आदि को भी दर्शाया गया है। ऑनलाइन घोषणा–पत्र भरते समय ट्रान्सफर एंट्री (पाही काश्त) हेतु ग्राम बदलने एवं एक से अधिक ग्राम दर्ज करने व्यवस्था भी किसानों को घोषणा–पत्र भरने के दौरान प्रदान की गयी है। गन्ना आयुक्त ने यह भी बताया कि प्रदेश के गन्ना किसानों के लिये गन्ना आपूर्ति के प्रत्येक चरण को पारदर्शी एवं सुविधायुक्त बनाने हेतु शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में घोषणा–पत्र भरने में सहूलियत दी जा रही हैं। घोषणा–पत्र भरने से जुड़ी व्यवस्थाओं के सरलीकरण से विभागीय कार्मिकों के साथ–साथ गन्ना किसानों को काफी राहत पहुंचेगी।

खतरे के निशान से ऊपर बह रही राप्ती व रोहिन, 112 गांव प्रभावित

महराजगंज । नेपाल की पहाड़ियों पर बारिश बंद हो जाने से जिले की नदियों का जलस्तर कुछ हद तक सामान्य हो गया है, लेकिन अभी भी रोहिन और राप्ती का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है। उधर नारायणी में जलस्तर कम होने से कटान का खतरा बढ़ गया है, वहीं चंदन और प्यास सहित महाव नाला दो दिनों से शांत है। जिले में रोहिन व राप्ती अपने खतरे के निशान के ऊपर बहने के कारण किनारे जिले के 112 गांव प्रभावित हैं। सुबह खतरे के निशान से करीब ढाई मीटर ऊपर बह रहे रोहिन नदी के पानी से चेहरी गांव का थरवलिया टोला बुरी तरह से घिरने की सूचना पर हड़कंप मच गया। सदर के उपजिलाधिकारी के निर्देश पर पहुंची एनडीआरएफ की टीम ने गांव में फंसे 19 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर ऊंचे स्थान पर पहुंचाया। एनडीआरफ के कमांडर डीपी चंद्रा ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम जिले में लगातार सक्रिय रहते हुए नजर बनाए हुए है। अपर जिलाधिकारी कुंज बिहारी अग्रवाल ने बताया कि जिले में राहत बचाव को लेकर सिचाई विभाग, एनडीआरएफ और बाढ़ पीएसी सतर्क है। यहां बाढ़ देख सहम जाती है जिदगीः नौतनवा तहसील क्षेत्र के लोग पहाड़ी नदी नालों से घिरे होने के कारण यहां के नागरिक साल दर साल बाढ़ का दंश झेलने को विवश हैं। प्रत्येक वर्ष बाढ़ से न केवल उनकी सैकड़ों एकड़ फसल बर्बाद हो जाती है, बल्कि रिहायशी बस्तियों तक बाढ़ का पानी फैलने से लोगों को मवेशियों के साथ सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने को मजबूर होना पड़ता है।

गांवों के संपर्क मार्ग पर कटान से लोगों की दुश्वारियां काफी बढ़ जाती हैं। ऐसे में यहां बाढ़ की भयावह विभिषिका से बचाने का प्रशासनिक दावा पूरी तरह से फेल नजर आता है। क्षेत्र से होकर बहने वाली झरही, रोहिन, महाव, बघेला, सोनिया आदि नदी नालों के बाढ़ से बचाव का कोई ठोस इंतजाम न किए जाने से लोगों को बाढ़ की त्रासदी झेलनी पड़ती है। रोहिन नदी ओवरफ्लो कर चकदह गांव सहित इसके 22 टोलों में भारी तबाही मचाती है। जबकि महाव नाला का जर्जर बांध व इसके 65 से अधिक खतरनाक मोड़ एक साथ कई स्थानों पर तटबंध को तोड़कर कब, कहां तबाही मचा दे, कुछ कहा नहीं जा सकता। इस साल भी नाला तीन माह में सात स्थानों पर तटबंध को तोड़कर भारी तबाही मचा दिया। हालांकि काफी जद्दोजहद जहद के बाद सात में से तीन स्थानों पर ही कटान स्थल को भरा गया। जबकि चार स्थानों पर कटान स्थलों की मरम्मत का काम ढाई माह बाद शुरु भी शुरु नहीं हो सका है। जबकि झाड़ झंखाड़ से पटे बघेला नाले का प्रवाह मार्ग अवरूद्ध होने से नाला ओवरफ्लो कर रेहरा, महुलानी, शिवपुरी, मनिकौरा, विषखोप, भरटोलिया, गंगापुर, गंगवलिया, करौंता गांवों के सिवान व रिहायशी बस्तियों में घुसकर तबाही मचाता है। उपजिलाधिकारी रामसजीवन मौर्य का कहना है कि बाढ़ से बचाव के लिए सभी जरुरी उपाय किए गए हैं। इसी क्रम में बघेला नाले का जलस्तर थमने के बाद भी उसके दो स्थानों पर टूटे कटान स्थलों की मरम्मत न कराए जाने से ग्रामीण अभी भी बाढ़ की आशंका से सहमे हुए हैं। नेपाल के मैदानी इलाके से आए पानी के भारी दबाव के कारण सप्ताह भर पूर्व बघेला नाले का तटबंध करौंता व मोतीपुर कोमर गांव के सामने टूटे गया था। इससे नाले का पानी फैलने से प्रभावित गांवों के लोगों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीण महेंद्र, दृगनारायण, शंकर, दशरथ, शिव प्रसाद, घूरे, सुबराती आदि का कहना है कि यदि कटान स्थलों को भरने का शुरु नहीं कराया गया तो जलस्तर बढ़ते ही नाला फिर से तबाही मचा देगा।

दाराशिकोह का सोनभद्र प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं नें किया भव्य स्वागत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री दाराशिकोह को बनाये जाने के बाद जनपद सोनभद्र में प्रथम आगमन पर भारतीय जनता पार्टी व अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया जिले की सीमा सुकृत,मधुपुर,हिन्दुवारी से लेकर चण्डी होटल शितला मंदिर चौक, बढौली चौक तक जगह जगह पर भाजपा व अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने गाजे बाजे के साथ फूल मालाओं से स्वागत किया भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे की अध्यक्षता में स्वागत कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश दूबे ने किया। स्वागत समारोह को संबोधित करते अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री दाराशिकोह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व ने मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता को पार्टी ने यह जिम्मेदारी दी है इस जिम्मेदारी को पूरी लगन और मेहनत से आप सभी के सहयोग से निभाने की कोशिश करुंगा भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार में अल्पसंख्यक समुदाय का सम्मान है सभी कार्यकर्ता पूरी मजबूती के साथ काम करें। देश की आजादी के बाद पहली बार मोदी सरकार में जाति धर्म से उठकर सबके विश्वास, सबके विकास की बात की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के नारे को साकार करके दिखाया है, प्रदेश सरकार के विकास कार्यों को गिनाते हुए अल्पसंख्यक समुदाय के लिए किये गये विभिन्न कार्यों से प्रभावित होकर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के प्रति आभार प्रकट

किया आगे कहा कि योगी जी जिस तेजी से अपराधियों पर नकेल कस रहे है उसी तेजी से विकास की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने का काम कर रहे है। आगामी 2022 विधानसभा चुनाव को लेकर मेरी प्राथमिकता पार्टी को बूथ स्तर पर और मजबूत करना है जिससे चुनाव में पार्टी को प्रचण्ड जीत मिल सके उन्होने बूथ स्तर तक अल्पसंख्यक मोर्चा की टीम गठित करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता आधारित पार्टी है इसमे किसी एक की नही बल्कि सभी कार्यकर्ताओं को तरहीज दी जाती है, और सबकी समस्याओं को सुनी जाती है, विरोधी पार्टीओं द्वारा समाज में यह भ्रम फैलाया जाता है कि भाजपा मुस्लिम विरोधी पार्टी है पर यह सरासर गलत है। भारतीय जनता पार्टी का यह नारा है सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास इस पर किसी को डरने की जरुरत नही है प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी की अगुवाई मे देश निरंतर आगे बढ रहा है, और जनहित में अनेको कार्य किये जा रहे है। उज्वला योजना, स्वच्छता अभियान, पीएम आवास योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसमे सभी वर्ग सभी धर्म के लोगो को फायदा हो रहा है किसी के साथ भेदभाव नही किया जाता है, आज कल के युवा समझदार है सही और गलत को पहचानने मे सक्षम है इससे अल्पसंख्यक युवाओं का रुझान भाजपा के प्रति देखने को मिल रहा है। इससे हमारे संगठन को मजबूती मिल रही है। आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव मे अल्पसंख्यक समुदाय के लोग बढ़ चढकर भाग लेंगे भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड बहुमत से एक बार पुनः प्रदेश में सरकार बनाने मे सहयोग करेंगे। पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक मिश्रा, धर्मवीर तिवारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा अजीत रावत ने भी स्वागत समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम मे मुख्यरुप से उदयनाथ मौर्य, ओमप्रकाश दूबे, अशोक मौर्य, रंजना सिंह, जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद, कृष्णमुरारी गुप्ता, जिला मंत्री संतोश शुक्ला, शंम्भू नारायण, गुडिया वर्मा, अनूप तिवारी, दानिश अली, कैशर शिकोह, अजीम खां, एमबेग, सुल्ताना बेगम, अल्ताफ कादरी, सहाबुदीन, चांद खां, कमलेश चौबे, प्रदीप अग्रवाल, पुष्पा सिंह, मंजू गिरी, मनीषा राय, अंशु अग्रहरी, गुड़िया तिवारी, रुबी गुप्ता, प्रमिला जायसवाल, राघो सिंह राहुल, अरुण पाण्डेय, बलराम सोनी, सुनील सिंह सहित सैकड़ो कार्यकर्ता और अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने किसान नौजवान पटेल यात्रा निकाली

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बलरामपुर। समाजवादी कार्यकर्ताओं ने गैसड़ी में किसान

नौजवान पटेल यात्रा समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में निकली। 1,9,2021 दिन बुधवार को जनपद बलरामपुर के मझोली उच्च माध्यमिक विद्यालय पहुंची। तुलसीपुर से गैसड़ी के बीच जगह जगह भव्य स्वागत हुआ। इस मौके पर हजारों कार्यकर्ता और नेताओं और समर्थक शामिल हुए। यात्रा के दौरान पूर्व मंत्री डॉक्टर शिवप्रताप यादव उर्फ एसपी यादव जिला अध्यक्ष समाजवादी रामनिवास मौर्य पूर्व विधायक मकसूद अहमद समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष परशुराम वर्मा अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष नुरुल हसन पूर्व राज्य मंत्री वसीम खान जिला महासचिव सफिउल्लह खान विधानसभा अध्यक्ष गैसड़ी मोहम्मद उमर खान राकेश यादव जिला महासचिव महबूब आलम खान विधानसभा सचिव कलीम बागवान विजय यादव समेत हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभासद का शिकायत हुआ निस्तारित खम्भो पर लगी स्ट्रीट लाइट

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनौली/नौतनवां। यह घटना अपने नवागत नगर पंचायत सोनौली वार्ड नं 09 सुभाष नगर की है जहाँ नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि नगर के सभी वार्डो में विकास की दावा करते है वही एक वार्ड ऐसा भी है जिस से सौतेला व्यवहार किया जा रहा है यह वार्ड नं०09 सुभाष नगर है। जहाँ सभी वार्डो में कुछ महीने पहले स्ट्रीट लाइट नगर पंचायत द्वारा सही कराया गया वही वार्ड नं०09 सुभाष नगर को छोड़ दिया गया। जिसकी शिकायत वार्ड नं०09 सुभाष नगर के वर्तमान सभासद करम हुसैन ने कई बार लिखित व मौखिक रूप से नगर के जिम्मेदारों से करते रहें परन्तु उनके शिकायत का कोई असर नही दिखा। जिस से उन्हें बाध्य होते हुए अपने नगर पंचायत के रवैये के खिलाफ मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल का सहारा लेना पड़ा। जिस का सन्दर्भ संख्या 40018721009804 है। उक्त शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधिशासी अधिकारी ने तत्काल शिकायत का निस्तारण कराया। जिस पर वार्ड के सभासद के साथ वार्ड के सैकड़ों लोगों ने उक्त कार्यवाही से संतुष्ट होते हुए नगर पंचायत के अध्यक्ष महोदया एवं अधिशासी अधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित किया। सभासद ने यह भी कहा कि कुछ लोग हमारी लोकप्रियता से घबराये हुये हैं जिस का अनावरत भ्रामक अफवाहें फैलाते हैं और हमारी राजनैतिक छवि को धूमिल करने का प्रयास करते हैं लेकिन मैं वार्ड के जनहित मुद्दों को लेकर दिन रात प्रयासरत हूँ और आगे भी रहूँगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना के शुभारंभ में चाबी वितरण का कार्यक्रम का हुआ सफल

दैनिक बुद्ध का सन्देश

हरदोई। क्षेत्र के अंतर्गत बुधवार को ब्लॉक मुख्यालय अहिरोरी में लाभार्थियों को गृह आवास की चाबी का वितरण किया गया मुख्य अतिथि सांसद जयप्रकाश रावत व ब्लाक प्रमुख धर्मवीर सिंह पन्ने व खंड विकास अधिकारी पंकज यादव ने मौके पर कई एक ग्राम सभा के लाभार्थियों को प्रधान मंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास

अपना दल एस जिला महासचिव बनाये गये श्याम चरण गिरी, कार्यकर्ताओं में उत्साह

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। अपना दल एस की जिलाध्यक्ष सत्य नारायण सिंह पटेल की अध्यक्षता में बैठकर श्याम चरण गिरी को जिला महासचिव के पद की घोषणा की गई। अध्यक्ष पटेल ने कहा कि पार्टी में सचिव का पद दिये जाने संगठन काफी मजबूत होगा, और कार्यकर्ताओं में भी काफी उत्साह प्राप्त होगा। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य दिनेश बियार ने कहा कि अपना दल एस ही एक ऐसी पार्टी है जिसमें सबका साथ है। सभी को साथ लेकर चलने वाली पार्टी इसी लिए सभी के मन में विश्वास प्राप्त हुआ है। यह पार्टी आने वाले चुनाव में हर जिले अपना परचम लहरायेगी। बढ़ता हुआ जना धार देख सभी हतप्रभ रह गई है।श्री गिरी को जिले स्तर पर जो प्रभार सौंपा गया है उसे पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी। इस दौरान दिनेश बियार, प्रदेश सचिव एस टी ,एस सी,नागेन्द्र गोड़, जिला उपाध्यक्ष पंकज सिंह राजपूत, ब्यापार मंच के अध्यक्ष अमित कुमार पटेल, हिन्दुआरी जोन के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार कुलदीप पुरी, वीरेन्द्र कुमार दुबे, मोनू उपस्थित रहे।

केशव प्रसाद मौर्य का दावा, यूपी में 2022 के विधानसभा चुनाव में 2024 के लोकसभा चुनाव की लड़ाई होने वाली है

लखनऊ। उत्ध्तर प्रदेश के उप मुख्ध्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अगले वर्ष की शुरुआत में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव में 2017 की तरह भाजपा के पक्ष में चुनाव परिणाम आने का दावा करते हुए कहा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में 2024 के लोकसभा चुनाव की लड़ाई होने वाली है क्योंकि ''दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर जाता है। उत्तर प्रदेश के चुनाव मुख्ध्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में ही लड़े जाने की बात कहते हुए उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि चुनाव बाद मुख्ध्यमंत्री का फैसला केंद्रीय नेतृत्व और निर्वाचित विधायक करेंगे। उप मुख्ध्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को 2017 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले में 2022 में उनकी भूमिका को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में कहा कि वह अध्यक्ष नहीं हैं लेकिन 2022 में उनका दायित्व अध्यक्ष से कम नहीं रहेगा। उन्होंने कहा, ''हम उप–मुख्ध्यमंत्री हैं, योगी जी मुख्ध्यमंत्री, स्ध्वतंत्रदेव सिंह प्रदेश अध्यक्ष और डॉक्टर दिनेश शर्मा उप–मुख्ध्यमंत्री के रूप में हैं। इस लिहाज से भाजपा की टीम 2017 की तुलना में ज्यादा समर्थ है। मौर्य ने दावा किया कि भाजपा 2022 में 300 का आंकड़ा पार करेगी। उन्होंने कहा, ''इस आंकड़े को पार करने में मुझे कोई संशय दिखाई नहीं देता है। हम यह मानते हैं कि 2022 के चुनाव और 2024 के चुनाव एक दूसरे के सहायक सिद्ध होंगे। इसलिए 2022 के चुनाव में भाजपा का कार्यकर्ता जी जान लगाकर लड़ेगा और भाजपा को जिताएगा। उन्होंने कहा, जैसे जनता ने हमें 2014, 2017 और 2019 में आशीर्वाद दिया उसी तरह 2022 में भी किसी विरोधी दल के बहकावे में आए बगैर फैसला करेगी। जब चुनावी मौसम आता है तो ये (विपक्षी दल) सक्रिय हो जाते हैं। किसी की परिवार की सीमा है, किसी की जाति की सीमा है, किसी की तुष्टीकरण की सीमा है और किसी की अपराधियों और गुंडे को साथ लेकर चलने की सीमा है लेकिन सबके विकास का जो लक्ष्य है वह भारतीय जनता पार्टी का है। भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और सबसे बड़े नेता का मार्गदर्शन हमारे पास है। बाकी दलों में इसका अभाव है। विधानसभा चुनाव में नेतृत्व के सवाल पर मौर्य ने कहा कि, जब सरकार नहीं होती तो स्वाभाविक रूप से लोग मानने लगते हैं कि जो अध्यक्ष होगा वही सरकार बनने पर मुख्यमंत्री बनेगा। लेकिन वर्तमान में ''योगी आदित्यनाथ मुख्ध्यमंत्री हैं। अभी तो हम भी मान रहे हैं और बाकी भी सभी मान रहे हैं कि 2022 के जब परिणाम आएंगे तो योगी जी ही मुख्ध्यमंत्री होंगे। लेकिन, यह मेरे द्वारा नहीं कहा जा सकता है। उत्तर प्रदेश का अगला मुख्ध्यमंत्री कौन हो, यह फैसला जो केंद्रीय नेतृत्व है, केंद्रीय संसदीय बोर्ड है और जो केंद्रीय पर्यवेक्षक आएंगे उनके जरिये उस समय जो विधायक दल होगा उसके द्वारा तय किया जाएगा।'' मौर्य ने कहा, ''मेरा व्यक्तिगत तौर पर एक कार्यकर्ता के नाते पार्टी की सफलता के लिए जी जान लगाने का संकल्प है और मैंने जो मेहनत 2017 के विधानसभा चुनाव में की है उससे ज्यादा मेहनत 2022 के चुनाव में करूंगा। 2022 के विधानसभा चुनाव में 2024 के लोकसभा चुनाव की लड़ाई होने वाली है. ..क्योंकि दिल्ली का रास्ता यूपी से होकर जाता है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में 2017 में विधानसभा चुनाव के समय केशव प्रसाद मौर्य भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष थे और तब उनकी अगुवाई में उत्तर प्रदेश में भाजपा को 403 सीटों में से 312 और सहयोगी दलों को 13 सीटें मिली थीं। इस बहुमत के बाद केशव प्रसाद मौर्य को उत्तर प्रदेश के मुख्ध्यमंत्री बनाये जाने की अटकलें लगी थीं लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने योगी आदित्यनाथ को मुख्ध्यमंत्री और केशव प्रसाद मौर्य को उप मुख्ध्यमंत्री बनाया। उत्तर प्रदेश में केशव प्रसाद मौर्य पिछड़ी जाति के भाजपा के सबसे प्रमुख चेहरों में हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, उप्र में पिछड़ी जातियां 55 प्रतिशत हैं। 55 प्रतिशत

समुदाय को उपेक्षित छोड़कर राजनीति करना या उप्र में काम करना संभव ही नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हर वर्ग के उत्थान के लिए हम काम कर रहे हैं। 2014 से लेकर अब तक जो भी चुनाव जीते हैं उनमें सबसे बड़ा योगदान पिछड़े वर्ग का रहा है। यह पूछे जाने पर कि पिछड़े वर्ग ने भाजपा को भरपूर समर्थन दिया पर क्या पार्टी ने भी उसी अनुपात में पिछड़ों को प्रतिनिधित्व दिया है, मौर्य ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछड़े वर्ग से ही आते हैं। भाजपा लगातार सामाजिक उत्थान और सामाजिक समरसता की दृष्टि से सोचती है और काम करती है। समाज के हर हिस्से – पिछड़ा, अगड़ा, अनुसूचित वर्ग, आदिवासी वर्ग सबको भरोसा दिलाते हैं। बहुजन समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी की ओर से ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित किये जाने के संदर्भ में यह पूछे जाने पर कि क्या ब्राह्मण भाजपा से नाराज हैं, उप– मुख्ध्यमंत्री ने कहा कि भाजपा से कोई भी वर्ग नाराज नहीं है। उन्होंने कहा,2017 में जिन दलों को विपक्ष में रहकर जनता की सेवा का उत्तरदायित्व मिला था वह अपना उत्तरदायित्व भूल गये थे। उन्होंने कहा, ''चुनावी मौसम में जैसी सक्रियता कुछ दलों और नेताओं की दिखती है इसके सिवा इन सम्मेलनों का कोई निहितार्थ नहीं है। भाजपा जितनी ताकतवर 2017 में थी उससे ज्यादा ताकतवर 2022 में होगी। मौर्य ने कहा, हर समाज का सम्मान होना चाहिए व उसकी जो समस्या है उसका समाधान होना चाहिए और जो तमाम प्रकार की महत्वाकांक्षा होती है, उसकी पूर्ति समाज के अन्य वर्गों के हितों को दृष्टिगत रखते हुए करना चाहिए। उन्होंने कहा, इसका मैं समर्थन करता हूं कि कोई भेदभाव सत्ध्ता के माध्ध्यम से नहीं होना चाहिए। हमारी सरकार में कोई भेदभाव नहीं हो रहा है। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष एवं उत्ध्तर प्रदेश की पूर्व मुख्ध्यमंत्री मायावती ने 18 जुलाई को मीडिया से दावा किया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में ब्राह्मण सत्तारूढ़ भाजपा को वोट नहीं देंगे। उन्होंने घोषणा की थी कि ब्राह्मण समाज को जागरूक करने के लिए महासचिव सतीश मिश्रा के नेतृत्व में बसपा अभियान शुरू करेगी जिसमें ब्राह्मणों को भरोसा दिया जाएगा कि बसपा शासन में ही उनका हित सुरक्षित है। इसके बाद सतीश मिश्र की अगुवाई में जिलेवार प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन की श्रृंखला चल रही है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी ने भी जनेश्ध्वर मिश्र के बलिया जिले में स्थित पैतृक गांव से बुद्धिजीवी वर्ग सम्मेलन की शुरुआत की है। विपक्ष का आरोप है कि सरकार और खासकर मुख्ध्यमंत्री एक जाति विशेष को तरजीह दे रहे हैं और ब्राह्मणों की नाराजगी का एक कारण यह भी है। इस बारे में मौर्य ने कहा, इस प्रकार के आरोप आते हैं, सच है, मैं इसे स्वीकार करता हूं लेकिन इस प्रकार के आरोपों में उतनी सच्चाई नहीं है जितना दुष्प्रचार किया जाता है।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने हाल ही में कहा किभाजपा ने केशव मौर्य को वादा करने के बाद भी मुख्ध्यमंत्री नहीं बनाया। इस बारे में सवाल करने पर मौर्य ने कहा, ओमप्रकाश राजभर जी को किसने यह बात बताई थी मैं नहीं जानता क्योंकि तब मैं प्रदेश अध्यक्ष था और उस समय कोई भी निर्णय मेरी अनुपस्थिति में नहीं होते थे। जब मुख्ध्यमंत्री के रूप में योगी आदित्यनाथ जी के नाम का प्रस्ताव आया तो उसको लेकर जरूर कुछ लोग स्वाभाविक तौर पर बोले क्योंकि जो प्रदेश अध्यक्ष होता है, वही प्रदेश का मुख्ध्यमंत्री बनता है, इस प्रकार के भाव लोगों के मन में थे लेकिन, हम लोग सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे थे और सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ते समय यह नहीं तय था कि कौन मुख्ध्यमंत्री बनेगा और कौन किस प्रकार की जिम्मेदारी का निर्वहन करेगा। पार्टी नेतृत्व ने पर्यवेक्षक भेजे और पर्यवेक्षकों द्वारा विधायक दल से चर्चा के बाद यह फैसला किया गया कि योगी आदित्यनाथ मुख्ध्यमंत्री होंगे और उनके नेतृत्व में हम लोग साढ़े चार साल से काम कर रहे हैं। ओमप्रकाश जी की तमाम प्रकार की इच्छाएं थीं, हो सकता है कि उनकी इच्छा अनुसार काम न हुआ हो।

राजभर ने पीटीआई–को दिये गये साक्षात्कार में यह बात कही थी कि अगर भाजपा योगी को मुख्ध्यमंत्री बनाएगी तो वह किसी कीमत पर भाजपा से समझौता नहीं करेंगे। मौर्य ने कहा, ''भारतीय जनता पार्टी क्या करेगी, इसका वह निर्धारण नहीं कर सकते हैं। भाजपा देश में सबसे बड़ी पार्टी है और हमारी पार्टी हर निर्णय लेने में सक्षम है। कोरोना–काल में भाजपा के ही सांसदों, विधायकों और एक केंद्रीय मंत्री द्वारा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जाहिर करने की याद दिलाने पर उप मुख्ध्यमंत्री ने कहा, कहीं कुछ कमी रह गई होगी, इससे हम इंकार नहीं करते हैं। उस समय की एक परिस्थिति थी जिसका सबने मुकाबला किया। लेकिन यह भी सच है कि देश के दूसरे राज्यों की तुलना में कोविड के खिलाफ लड़ाई में उप्र सबसे अच्छे तरीके से लड़ा है। हमारी सरकार ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई लड़ी और उस पर विजय प्राप्त की। आने वाले चुनाव में विपक्षी नेताओं द्वारा भाजपा पर उपलब्धियों के बजाय धार्मिक ध्रुवीकरण के सहारे चुनाव लड़ने की तैयारी का आरोप लगाये जाने के जवाब में मौर्य ने कहा, ''मुझे लगता है कि लोग अपने अपने तरीके से आकलन करते हैं। हम तो मेरिट पर ही चुनाव लड़ते हैं और चुनाव जीतते हैं। जिनको इस प्रकार का भय सता रहा है वह केवल सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के आधार पर हमारे सरकार के कार्यकाल में किये गये कामों को देख लें। चाहे केंद्र सरकार के माध्ध्यम से चाहे राज्ध्य सरकार के माध्ध्यम से हर वर्ग के लिए काम हुए हैं। धार्मिक ध्रुवीकरण के लिए हमारी सरकार में जगह ही नहीं है। यह सच है कि हमारी सरकार में कोई दंगे नहीं हुए, कोई विवाद नहीं हुए, कोई बवाल नहीं हुए, इससे विरोधी दल के लोगों को जरूर बेचैनी होती है। विकास के कार्य में अगर विपक्षी दलों को ध्रुवीकरण दिखाई देता है तो यह उनका दृष्टि दोष है।

मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी वितरण कार्यक्रम आयोजित

परसेण्डी (सीतापुर)। विकासखंड सभागार परसेंडी में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण मुख्यमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी वितरण कार्यक्रम एवं गृह प्रवेश कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुनील वर्मा विधायक लहरपुर के द्वारा परसेंडी विकासखंड के 100 लाभार्थियों को चाबी वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान एलइडी के माध्यम सजीव प्रसारण भी हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में सजीव प्रसारण के माध्यम से लाभार्थियों को संबोधित करते हुए बताया केंद्र में मोदी की सरकार के द्वारा गांव में रहने वाले जिनके पास आवास नहीं थे। उनको आवास देने का काम किया है। उसी क्रम में आज 5 लाख 51 हजार लोगों को चाबी वितरण एवं गृह प्रवेश का कार्यक्रम संपन्न हो रहा है। स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा आवश्यक कदम उठाए गए। महिलाओं को स्वयं सहायता समूह के माध्यम से रोजगार उपलब्ध कराए गए। सुनील वर्मा विधायक लहरपुर ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए बताया 2017 से और 2021 के मध्य लाखों लोगों को प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास देने का काम योगी सरकार के द्वारा किया गया। लहरपुर विधानसभा के अंतर्गत सरकार के द्वारा योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का काम मेरे द्वारा किया गया है सड़क स्वास्थ्य शिक्षा पर भी सरकार के द्वारा ऐतिहासिक कार्य किए कराए गए हैं। विद्यालयों के बाउंड्री वाल का भी निर्माण कराया गया है। प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं मजरा तक विद्युत पहुंचाने का काम उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा एवं भारत सरकार के द्वारा किया गया। केंद्र में मोदी प्रदेश में योगी जी की सरकार गरीब किसान नौजवानों के हित में कार्य किए गए हैं तथा सभी ब्लॉक कर्मचारियों को ब्लॉक परिसर में 10 से 12 जनता के कार्यों का निस्तारण करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर आए हुए समस्त अतिथियों का आभार अखिलेश चौबे खंड विकास अधिकारी परसेंडी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सुनील वर्मा भाजपा विधायक लहरपुर, अखिलेश चौबे खंड विकास अधिकारी परसेंडी, आलोक सिंह प्रमुख प्रतिनिधि परसेंडी, संजय वर्मा वरिष्ठ भाजपा नेता, डॉक्टर राघवेंद्र प्रताप सिंह, रामपाल एडीओ पंचायत परसेण्डी, अनूप श्रीवास्तव भाजपा मंडल अध्यक्ष परसेंडी अखिलेश दीक्षित, निर्मल वर्मा, गोपाल सिंह, पप्पू शुक्ला, बीडीसी मयंक श्रीवास्तव, अनूप सिंह, बराती लाल वर्मा, मुन्ना पाल सहित प्रधान बीडीसी संध्या त्रिपाठी, मानसी प्रजापति, लक्ष्मण प्रसाद सहित सभी ग्राम पंचायत विकास अधिकारी मौजूद रहे।

कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए विद्यालय खोले गये विद्यालय

सेउता (सीतापुर)। कोरोना काल में सभी विद्यालय बंद थे। सभी बच्चों की पढ़ाई बंद थी सरकार ने कोरोना गाइडलाइन का पालन करते हुए 1 सितम्बर से कक्षा 1 से आठ तक स्कूल खोलने के आदेश दिए गए थे। जिसके अनुपालन में बुधवार को बिकास क्षेत्र के स्कूलों में पठन. पाठन के लिए बच्चों को बुलाया चूंकि विद्यालय में अध्यापक तो पहले से आ रहे थे। इसी क्रम में बिकास क्षेत्र रेउसा अन्तर्गत ग्राम सेउता के प्राथमिक विद्यालय प्रथम में कुल छात्र 132 में 45 शिक्षार्थी उपस्थित हुए। स्टाफ की संख्या 6 है। प्रधानाचार्य नरेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि एक सहायक अध्यापक व एक शिक्षामित्र अवकाश पर है। प्राथमिक विद्यालय द्वितीय में 120 छात्र पंजीकृत थे। जिसमें 25 की उपस्थित रही। प्रधानाध्यापक तौहीद आलम ने बताया कि एक अध्यापक बीआरसी अटैच है एक छुट्टी पर है। प्राथमिक विद्यालय पिपरा में पंजीकृत छात्र 238 में 100 छात्र उपस्थित थे। यहां प्रधानाचार्य आदित्य पांडे ने बताया कि दो लोग अवकाश पर हैं। बच्चों को दोपहर भोजन में तहरीर दी गई। स्कूलों में कोरोना गाइडलाइन का खास खयाल रखा गया। छात्रों को अपने अपने क्लास रूम में पहुंचने से पहले सेनिटाइजर करने के बाद प्रवेश दिया गया। बच्चों में पहले दिन स्कूल खुलने पढ़ाई के लिए उत्सुकता दिखी। क्षेत्र में गुड़रुवा, देवरिया, चन्द्रसेनी, ईरापुर, सुतौली, बरी मुहाला, खुरवलिया, खरौहा आदि गांवों के स्कूल समय से खुले और बच्चे विद्याध्ययन के लिए पहुंचे।

परसेण्डी संवाददाता के अनुसार विकासखंड परसेंडी के अंतर्गत 18 महीने के बाद विद्यालयों में बच्चों की किलकारी सुनाई पड़ी व शिक्षण कार्य प्रारंभ परसेंडी ब्लॉक के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय राही प्राथमिक विद्यालय कैमहारा, वजीरपुर प्राथमिक विद्यालय मदनापुर, प्राथमिक विद्यालय चांदपुर, प्राथमिक कम पोजिट विद्यालय परसेंडी, प्राथमिक विद्यालय उमरिया सहित परसेंडी ब्लॉक के सभी विद्यालयों में शिक्षण कार्य प्रारंभ हुआ। बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा विद्यालयों का औचक निरीक्षण निरीक्षण भी हुआ। प्राथमिक विद्यालय राही में एआरपी पंकज राजवंशी के द्वारा विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक विद्यालय में सभी शिक्षक उपस्थित मिले एवं प्रेरणा एप मोहल्ला पाठशाला एमडीएम सहित सभी बिंदुओं पर जांच जांच के दौरान प्राथमिक विद्यालय राही में बाउंड्री वाल ना होने पर शिक्षिकाओं ने अपनी समस्याओं को एआरपी के माध्यम से शासन को भी अवगत कराया तथा परसेंडी विकासखंड में कई विद्यालयों में सफाई कर्मियों के अभाव में शौचालय साफ नहीं मिले।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से साईकिल सवार दो लोगों की मौत

मानपुर (सीतापुर)। इलाके में साईकिल सवारों को कार ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे एक ब्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वही दूसरे साइकिल सवार को गंभीर चोटें आई है।

घायल को ग्रामीणों की मदद से पुलिस ने इलाज के लिए बिसवां भेज दिया। हालत नाजुक देख डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफ र कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। थाना क्षेत्र के अंतर्गत शीतल पुरवा निवासी प्यारे लाल भार्गव 40 पुत्र विश्राम भार्गव साइकिल से पास के ही एक धर्मकांटा पर जा रहा था। तालगांव थाना क्षेत्र के काजी सराय जमौरा निवासी महेश चक्रवर्ती 48 पुत्र रामदुलारे भी अपनी साईकिल से बिसवां के लिए घर से निकला था। दोनों लोग साथ. साथ ही जा रहे थे। जैसे ही ये साईकिल सवार बुधवार सुबह करीब 10बजे सीतापुर बिसवां मार्ग पर बखरिया गांव के आगे पुलिया के पास पहुंचे थे। तभी तेज रफ्तार कार यू पी 32 एल आर 3151 ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे प्यारेलाल की घटना स्थल पर मौत हो गई। घायल महेश चक्रवर्ती ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कार अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गहरी खाई में चली गई। उपनिरीक्षक हरिशंकर पाठक ने बताया शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। घटना की जांच की जा रही है। पुलिस की मानवता देखने को मिली हरिशंकर पाठक एसआई मानपुर घायल को सीएचसी भेज रहे थे। तभी उधर से अफजाल कौशल संभावित सपा प्रत्याशी आ गए और उन्होंने तुरंत डॉक्टर से बात करके घायल का इलाज करने के लिए तुरंत फोन करके बताया और घायल को तुरंत सीएचसी बिसवां भिजवा दिया।

कोटेदार संघ की बैठक सम्पन्न

सिधौली (सीतापुर)। कस्बे के एक निजी गेस्ट हाउस में कोटेदार संघ द्वारा एक बैठक आहूत कर निर्णय लिया गया कि 5 सितंबर मांग महोत्सव मना कर सरकार का विरोध करेंगे। बैठक के अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति बनाई गई। सिधौली कस्बे के हाईवे स्थित एक निजी गेस्ट हाउस में कोटेदार संघ की बैठक आहूत की गई थी। जिसमें क्षेत्र के लगभग 250 कोटेदारों ने हिस्सा लिया बैठक में ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फेडरेशन के प्रदेश महासचिव द्वारा बताया गया कि बीते कई वर्षों से संगठन सरकार से अपनी मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन व धरना प्रदर्शन करता चला आ रहा है लेकिन सरकार उनकी मांगों की तरफ ध्यान नहीं दे रही हैं। इस मौके उन्होंने बताया की ईट वाज मशीन के रखरखाव वर्ष 2001 से 2021 तक का बकाया बीपीएल व एमडीएल का भुगतान किया जाए। वह कोटेदारों का कमीशन 300 प्रति कुंटल किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बीते 5 अगस्त को सभी कोटेदारों ने अन्य महोत्सव अपनी जेब से पैसा लगाकर के कोटे अपने को 2 पर धूमधाम से मनाया। जिसका एक भी रुपए का भुगतान सरकार व शासन द्वारा नहीं किया गया। संगठन द्वारा बैठक में निर्णय लिया गया कि यदि उनकी मांगों को पूरा नहीं किया जाता तो आगामी 5 सितंबर को वह लोग मांग महोत्सव मनाएंगे और सरकार से मांग करेंगे। संगठन द्वारा बैठक में यह निर्णय लिया गया। यदि मांग महोत्सव पर भी सरकार ने विचार नहीं किया तो 5 अक्टूबर से राशन वितरण का काम पूरी तरह से ठप कर दिया जाएगा। इस अवसर पर आशीष कुमार शुक्ला, राम लखन यादव, विशाल रस्तोगी, अशोक कुमार रावत, अरविंद शुक्ला, आलोक मिश्रा सहित कई जनपद के कोटेदार उपस्थित रहे।

साहित्य संगम की होने वाली साप्ताहिक काव्य गोष्ठी अनवरत जारी

सीतापुर। अन्नपूर्णा सेवा संस्थान के संस्थापक अनिल द्विवेदी के द्वारा लगाया व सिंचित किया गया अन्नपूर्णा साहित्य संगम रूपी पौधा आज उनके बाद भी पल्लवित होकर अपनी सुगंध बिखेर रहा है। साहित्य संगम की होने वाली साप्ताहिक काव्य गोष्ठी अनवरत जारी है। इसी क्रम में 450 वीं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पुष्पा अवस्थी ने तथा संचालन यासीन इब्ने उमर ने किया। एके. मिश्र व केपी मिश्र संरक्षक की भूमिका में रहे। सुमन मिश्रा की वाणी वंदना से आरंभ हुई गोष्ठी में कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं का ऑनलाइन जुड़कर काव्य पाठ किया। जिसमें मुख्यत जीएल0 गांधी, सुनीता यादव, राम किशोर श्रीवास्तव, लक्ष्मी वर्मा, रियाजुद्दीन रियाज, प्रद्युम्न द्विवेदी, नीतू यादव, सूबेदार वर्मा आदि ने काव्य पाठ किया। अंत में अध्यक्षता कर रही पुष्पा अवस्थी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी व सभी साहित्यकारों से एक बेहतर एवं स्वच्छ समाज बनाने के लिए अपने लेखन को और अधिक प्रेरक बनाने का आग्रह किया।

विष्व हिंदू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर शोभायात्रा की तैयारी

सिधौली (सीतापुर)। विश्व हिन्दू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली भव्य शोभायात्रा की तैयारी बैठक प्रखंड सहसंयोजक सुमित मिश्रा के संयोजन से अशोधन गांव में की गई। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित गौ रक्षा संघ के प्रांत मंत्री बच्चे बाजपेयी ने कहा 4 सितम्बर विश्व हिन्दू परिषद के स्थापना दिवस के अवसर पर सिधौली कस्बे में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। जिसकी तैयारी विहिप कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार तरीके से की जा रही है। प्रखंड सह संयोजक सुमित मिश्रा ने कहा शोभायात्रा में क्षेत्र से सैकड़ों की संख्या में लोग बाइक व अन्य साधनों से शोभायात्रा में शामिल होंगे। बैठक में जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष अमर सिंह, सहमंत्री अनूप मिश्रा, विजय शुक्ला, रामगोपाल यादव, अनुज कुमार, रमाकर पांडेय, पीयूष शुक्ला, मुन्ना पांडेय, राहुल सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बढ़ती महंगाई को लेकर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष ने अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

उन्नाव।प्रगतिशील समाजवादी पार्टी ने आम जनमानस में बढ़ती महंगाई को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्बोधित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट रश्मि सिंह को सौंपा।ज्ञापन में प्रसपा नेत्रत्व ने सरकार की नींद को खोलते हुए बताया कि विगत एक वर्षों से जो पेट्रोलियम पदार्थों में आग लगी है पेट्रोल लगभग सौ के पार हो रहा वही डीजल व रसोई गैस के बेतहाशा बढ़े दामों से जनता त्रस्त है वही उधर किसानो व व्यापारियो से लेकर आम जन के हितों पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।प्रगतिशील समाजवादी पार्टी का नेत्रत्व मांग करता है कि देश के प्रधानमंत्री इस दिशा में हस्ताक्षेप कर बढ़े हुए पेट्रोलियम मूल्यों की व्रद्धि पर नियंत्रण करे जिससे की महंगाई की मार से जनता अपने को बचा सके।प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सतीश शुक्ला के नेत्रत्व में तमाम कार्यकर्ता सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस में एकत्रित होकर मोटरसाइकिल तथा पैदल जुलूस की शक्ल में जिलाअधिकारी कार्यालय पहुंचे।ज्ञापन देने वालो में राष्ट्रीय प्रवक्ता आर०एन० सिंह, प्रभारी हरिशंकर यादव, प्रमुख महासचिव आलोक निगम, ललित यादव, यतीन्द्र नारायण शुक्ला, राजन चंदेल, महेश यादव, प्रकाश वर्मा, विपिन तिवारी, अरविंद अवस्थी, शैलेश अवस्थी, मुन्ने लाल रावत, संजय चौधरी, दीपक गुप्ता, उमा सिंह, सतेन्द्र शुक्ला, राजेश यादव, शीबा खान आदि लोग उपस्तिथ रहे।

बीईओ पर शिक्षकों के शोषण का आरोप, सौंपा ज्ञापन

शिकोहाबाद। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का एक प्रतिनिधि मण्डल जिला अध्यक्ष डॉ. शौर्यदेव मणि यादव की सहमति से जिला उपाध्यक्ष कमल कान्त पालीवाल के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिला। प्रतिनिधि मंडल ने बीईओ पर शिक्षकों के शोषण का आरोप लगाते हुए किताबों को स्कूलों तक पहुंचाने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से बीएसओ को बताया कि पुस्तकों को विद्यालय स्तर तक पहुंचाने के लिये साशन से स्पस्ट निर्देश हैं। फिर भी अभी तक विद्यालय में पुस्तकें नहीं पहुंच रही हैं। प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि विद्यालय में ही पुस्तकें पहुँचायी जाएं। चयन वेतनमान की सूची बीआरसी स्तर से तैयार करवाकर सामूहिक रूप से सभी के एक साथ लगाए जाएं। मानव संपदा पोर्टल के कार्य न करने पर शिक्षकों की उपस्थिति ऑफलाइन भी ली जाए। मानव संपदा पर उपस्थिति लॉक न होने पर किसी का वेतन वाधित न किया जाए। पोर्टल कार्य न करने के कारण कुछ शिक्षक साथी ऑनलाइन अवकाश नहीं ले पाए और निरीक्षण में अनुपस्थिति दिखा दिये गए। उनके अवकाश को स्वीकृत कर वेतन कटौती की कार्यवाही न की जाए। ब्लॉक में स्कूलों के निरीक्षण केवल पोर्टल पर ही किये जायें। ऑफलाइन निरीक्षण करके कुछ बीईओ द्वारा नोटिस जारी करके शिक्षकों का शोषण किया जा रहा है। जब निरीक्षण पोर्टल पर हो रहे हैं, तो ऑफलाइन निरीक्षण का कोई ओचित्य नहीं है। प्रतिनिधि मण्डल में धीरेन्द्र यादव,सलिल यादव,दिनेश राजा,अभिषेक यादव, शेखर यादव मौजूद रहे।

बच्चो का रोल मॉडल होता है शिक्षक: अरूण पाठक

उन्नाव। सिकंदरपुर सरोसी ब्लॉक के प्राथमिक स्कूल में उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की ओर से शैक्षिक उन्नयन संगोष्ठी व शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। जिसमें स्नातक एमएलसी ने शिक्षकों को धरती पर ब्रह्मा का घटक बताया। समारोह में उन्होंने कहा कि ईश्वर के विशेष आशीर्वाद से लोग शिक्षक बनते हैं। समाज के नैतिक उत्थान का जिम्मा शिक्षकों पर ही है। कहा कि इसलिए शिक्षकों की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह पूरी निष्ठा व तत्परता के साथ अपने इस दायित्व को पूरा करे ताकि उनके सिखाई शिक्षा से हर युवा देश का नाम रोशन सके। बीईओ आशीष चौहान ने शासन की मंशा के अनुरूप मिशन प्रेरणा, मिशन कायाकल्प जैसे बिंदुओं पर विचार रखे। सेवानिवृत्त शिक्षकों में छोटेलाल शास्त्री ने कहा कि संघ की सक्रियता से फण्ड की धनराशि व पेंशन के लिए पीपीओ नंबर के साथ कोषागार से पेंशन बिना भेदभाव व बिना भ्रष्टाचार के हम सभी को प्राप्त हो सकी। प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय कुमार कनौजिया, मंडल अध्यक्ष गजेंद्र सिंह सेंगर, उपाध्यक्ष बृजेश वर्मा,जिला महामंत्री सौरभ सिंह, जिला कोषाध्यक्ष कृष्ण शंकर मिश्रा ने शिक्षक समस्याओं के ससमय निराकरण एवं शिक्षक हितों के लिए संगठन की कटिबद्धता की बात रखी। इस दौरान अर्चना सिंह, अंशु शर्मा, उर्मिला मिश्रा, उर्मिला शुक्ला, अवनीश पाल, अरुण कुमार, तरुण कुमार गुप्ता, राकेश बघेल, श्रीनाथ, शिव कुमार तिवारी, पवन कनौजिया पीयूष, वंदना चौहान आदि शिक्षक मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान एवं सहभागिता कार्यक्रम में छात्रो ने भी सहभागिता

कमलापति इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं के बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

बीघापुर उन्नाव। मतदान के प्रति जागरूकता लाने के लिए स्वीप योजना के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान एवं सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन कमलापति इंटर कालेज नगर पंचायत बीघापुर में किया गया जिसमें रामनाथ इंटर कॉलेज रुझेई के छात्रों ने भी प्रतिभाग किया। स्वीप योजना के अंतर्गत आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान एवं सहभागिता के लिए बनाए गए केंद्र कमलापति इंटर कॉलेज में रामनाथ इंटर कॉलेज व कमलापति इंटर कॉलेज के छात्रों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में निबंध, चित्रकला पोस्टर तथा स्लोगन प्रतियोगिता में छात्रों ने बढ़ चढ़कर अपने चित्रकला व निबंधकला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के बाद दोनों विद्यालयों के छात्रों को मतदान के लिए खंड शिक्षाधिकारी बीघापुर नसरीन फारुकी ने शपथ दिलाई। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी नसरीन फारूकी ने कहा कि हम सब का नैतिक दायित्व है कि मतदान अवश्य करें तथा लोगों को जागरूक भी करें प्रत्येक व्यक्ति की सक्रियता से ही लोकतंत्र और मजबूत होगा। प्रधानाचार्य राजेंद्र दीक्षित ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की मजबूती के लिए एक मूल तत्व है हमें चाहिए कि मतदान के प्रति बेरुखी रखने वाले लोगों को जागरूक कर उन्हें मतदान के लिए प्रेरित करें और अपने समाजिक दायित्वों का निर्वाह करे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रवक्ता योगेंद्र सिंह ,प्रमोद कुमार वर्मा, डॉ राजेश कुमार, कुलदीप कुमार अग्निहोत्री, बुद्धि लाल, दीपक शर्मा,केशव नाथ मिश्रा ,भावना, उमेश कुमार, वरुण प्रकाश आदि रहे।

पालिका ने कई इलाकों में कराया एंटीलारवा का छिड़काव

शिकोहाबाद। जिले में फैल रहे डेंगू और वायरल फीवर से निजात पाने के लिए नगर पालिका द्वारा कई इलाकों में एंटीलारवा का छिड़काव कराने के साथ ही कर्मचारियों से क्षेत्र में साफ सफाई पर जोर दिया। उन्होंने सफाई कर्मचारियों से कहा कि जो भी सफाई कर्मी अपने क्षेत्र में कार्य पर नहीं मिलेगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। बुधवार को अधिशाषी अधिकारी अवधेश कुमार के निर्देशन में वार्ड संख्या 7 में प्रतापपुर रोड, मलिखानपुर तिराहा, जैन भट्टा के सामने, न्यू गिहार कॉलोनी के साथ ही खाली पड़े जलभराव वाले प्लाटों में पालिका के कर्मचारियों ने एंटी लार्वा का छिड़काव किया। यह कार्य सफाई निरीक्षक कुलदीप कुमार की देखरेख में किया गया। इस दौरान पालिका ने लोगों को घर के आसपास पानी एकत्रित न होने देने तथा कूलर के पानी को बदलते रहने के साथ ही सोते समय फुल बाजू की शर्ट पहनने तथा मच्छरदानी के प्रयोग के प्रति जागरूक किया। सफाई निरीक्षक ने लोगों से कहा कि आपकी सावधानी से घातक बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके साथ ही पालिका के कर्मचारियों ने अन्य मोहल्लों और गलियों के साथ खाली प्लाटों में एंटीलारवा का छिड़काव कराया। इस दौरान पालिका ने विशेष सफाई अभियान प्रारंभ कर दिया है। जिससे घरों के पास उगी झाड़ियों को काटने तथा क्षेत्र में साफ सफाई के निर्देश दिये हैं। अधिशाषी अधिकारी ने बताया कि उन्होंने कर्मचारियों को हिदायत दी है कि सभी कर्मचारी अपने क्षेत्र में कार्य करें। लापरवाही मिलने पर कार्यवाही की जायेगी। इस दौरान सभासद प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह और नानक चंद्र कश्याप का सहयोग रहा।

कृषि संकाय चतुर्थ वर्ष के छात्रों की दी भावभीनी विदाई

शिकोहाबाद। आदर्श कृष्ण महाविद्यालय के कृषि संकाय चतुर्थ वर्ष के छात्रों की समारोह पूर्वक विदाई की गई। कार्यक्रम में प्रथम, द्वितीय और तृतीय संकाय के छात्रों ने अपने सीनियर छात्रों को माथे पर तिलक लगा कर और उपहार देकर विदा किया। एके कॉलेज के कृषि संकाय के छात्रों द्वारा महाविद्यालय के सभागार में विदाई समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ब्रजेश कुमार विभागाध्यक्ष भूमि संरक्षण व महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. मोहकम सिंह यादव के द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करके शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि प्राचार्य ने छात्र छात्राओं को आशीर्वाद देकर अपने जीवन में नई ऊंचाईयों को प्राप्त करने के साथ नई दिशा दी। इस दौरान छात्र छात्राओं ने भाषण और डांस एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। जूनियर छात्रों ने अपने सीनियर छात्रों के माथे पर तिलक लगा कर उन्हें उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं सीनियर छात्रों ने जूनियरों को अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ब्रजेश कुमार ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से कृषि संकाय के विभागाध्यक्ष संजीव कुमार, इं. दुष्यंत चतुर्वेदी, दुर्वेश कुमार,अवधेश कुमार, चंद्रकांत शर्मा और सोपाल सिंह आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य ने सभी का आभार व्यक्त किया।

चारा मशीन ले जाने को लेकर दो सगे भाइयों में मारपीट

सिधौली (सीतापुर)। बिना पूछे चारा मशीन ले जाने को लेकर दो सगे भाइयों में मारपीट हो गयी। एक भाई घायल सीएससी में भर्ती जानकारी के अनुसार देशराज पुत्र हेमनाथ गोडियन पूर्वा मजरा मानपरा की चारा काटने के लिए चारा मशीन उसके सगे भाई सुनील द्वारा ले गई थी। जिसको लेकर जब देशराज ने बिना पूछे चारा मशीन ले जाने को लेकर मना किया तो दोनों में कहासुनी हो गई। कहासुनी मारपीट में बदल गई और दोनों पक्षों में मारपीट हुई। जिसमें देशराज चोटिल हो गया आरोप है कि उसके ऊपर धारदार हथियार से हमला किया गया। पीडिघ्त द्वारा सुनील पुत्र हेमनाथ उसकी पत्नी राजेश्वरी के विरुद्ध आरोप लगाया गया है। घायल देशराज को सिधौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

अभद्र व्यवहार पर उठायें आवाज

बीघापुर, उन्नाव। महिलाओं और छात्राओं को जागरुक करने के लिए महिला सशक्तिकरण प्राथमिक विद्यालय संतोषी खेड़ा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में बीघापुर महिला थाना प्रभारी अर्चना ने स्कूली छात्रों व महिलाओं को उनके अधिकार बताए।महिलाओं के साथ होने वाले किसी भी प्रकार के अपराध चाहे वह छेडखानी हो, घूरना हो, गंदे शब्दों का प्रयोग आदि कुछ भी हो उसके खिलाफ आवाज उठाने चाहे स्वयं के साथ हो या फिर किसी दूसरे के साथ तथा इसकी शिकायत कहां, कैसे और किस प्रकार की जायेगी की जानकारी दी। 1090, 112 आदि हेल्पलाइन नम्बरों के साथ ही अपना भी नंबर दिया।इस अवसर पर करुणा शंकर श्रीवास्तव, डॉ रत्ना पांडेय, धर्मेंद्र कुमार, आलोक, कुलदीप, पूनम, मोनी, पम्मी तिवारी आदि मौजूद रहे।

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी प्रकाशन एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतीनगर निकट हीरो एजेन्सी, मधुकरपुर,जिला-सिद्धार्थनगर-272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं०- UPHIN/2012/49458
संस्थापकः- स्व० श्री के.सी. शर्मा | प्रधान सम्पादकः- राजेश शर्मा
8795951917, 9453824459
सभी विवादों का न्यायक्षेत्र जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय ही मान्य होगा
ई-न्यूज पेपरः- www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

महामारी ने मुझे खुद को फिर से खोजने का मौका दिया: रितुपर्णा

अभिनेत्री रितुपर्णा सेनगुप्ता ने खुलासा किया है कि कैसे कोविड–19 महामारी ने उन्हें खुद को फिर से खोजने में मदद की है।

रितुपर्णा ने उसी के बारे में बात करते हुए बताया, यह मेरे लिए एक मिश्रित अनुभव रहा है। कुछ अच्छी चीजें हैं, जैसे कि मैं अपने परिवार, खासकर बच्चों के साथ अधिक समय बिता सकती हूं और अपने लेखन के लिए अधिक समय समर्पित कर सकती हूं।

अभिनेत्री ने कहा, महामारी ने मुझे खुद को फिर से खोजने का मौका दिया। इसने हमें अपने रिश्तों, माता–पिता, बच्चों और भावनाओं में बहुत अधिक निवेश किया है। हम इससे पहले बहुत तेजी से आगे बढ़ रहे थे, लगभग एक चक्रवात की तरह। जीवन बहुत यांत्रिक हो गया था।

उन्होंने बताया, मेरे लिए सबसे अच्छा हिस्सा मेरी बेटी को उसकी परीक्षा के लिए पढ़ाई में मदद करना, साथ में डांस वीडियो शूट करना और उसे पेंटिंग सिखाना था। मैंने साइकिल चलाने और ड्राइविंग जैसी चीजें भी कीं और लोगों के लिए एक कोविड रसोई और विशेष बच्चों के टीकाकरण में योगदान दिया।

यह पूछे जाने पर कि उन्होंने महामारी से जीवन का क्या सबक सीखा है, अभिनेत्री ने कहा, कि हम जीवन में बहुत छोटी चीजों से संतुष्ट हो सकते हैं, जिसे हम शायद भूल गए थे। हमारी जरूरतें बहुत बुनियादी हैं, लेकिन हम इसे भूल रहे थे। साथ ही, हमने प्रकृति को बहुत नष्ट किया है, जिसने हमें एक घर प्रदान किया है। इसे संरक्षित करना हमारी जिम्मेदारी है। मुझे उम्मीद है कि हम इस महामारी के खत्म होने के बाद भी इस सबक को याद रखेंगे।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री, जिन्हें ज्यादातर बांग्ला सिनेमा में उनके योगदान के लिए जाना जाता है, ने यह भी बताया कि महामारी के बीच फिल्म उद्योग और थिएटर व्यवसाय कैसे प्रभावित हुआ है।

उन्होंने कहा, सिनेमाघर बंद होने से, कुछ फिल्में रिलीज के कुछ दिनों के बाद खराब हो गईं, कुछ अभी भी रिलीज होने की प्रतीक्षा कर रही हैं। थिएटर मालिकों और श्रमिकों को बहुत नुकसान हुआ है। सिनेमा उद्योग को नुकसान हुआ है, खासकर दैनिक वेतन पाने वालों को। कुल मिलाकर यह एक बहुत दुखद स्थिति है और हम इस स्थिति के शिकार हैं। मैंने जितना हो सके लोगों के साथ खड़े होने की पूरी कोशिश की है। मुझे उम्मीद है कि यह भी बीत जाएगा।

थिएटर बंद होने के साथ, हाल के दिनों में बहुत सारी फिल्में, यहां तक कि बड़े बैनर वाले भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई हैं। एक अभिनेता होने के नाते, क्या रितुपर्णा को इससे कोई फर्क पड़ेगा अगर उनकी फिल्म सिनेमाघरों के बजाय ओटीटी पर रिलीज होती है?

उन्होंने कहा, थिएटर का एक अलग आकर्षण है। मैं व्यावसायिक सिनेमा का उत्पाद हूं। मैंने ऐसे समय में शुरुआत की थी, जब ओटीटी प्लेटफॉर्म भी मौजूद नहीं थे। हमें सेल्युलाइड से हमारी लोकप्रियता मिली। मैं इसके लिए बहुत सम्मान करती हूं। मैं हमेशा चाहती हूं कि फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हो। साथ ही मैं चाहती हूं कि वैकल्पिक प्लेटफॉर्म भी फलें–फूलें।

रितुपर्णा ने हाल ही में मुंबई में वीना बख्शी निर्देशित फिल्म इत्तर के लिए दीपक तिजोरी और कबीर लाल की अंतरदृष्टि के साथ शूटिंग की, जो स्पेनिश थ्रिलर जूलियाज आईज की रीमेक है।

रितुपर्णा ने कहा, माहौल अलग है। मैं कोलकाता में घर पर थोड़ा अधिक सुकून महसूस करती हूं। मुंबई बहुत अच्छा उत्पादन–वार है। साथ ही, उच्च बजट के कारण काम बड़े पैमाने पर किया जाता है। विभिन्न निर्माताओं और निर्देशकों के साथ काम की नैतिकता और शैली अलग–अलग होती है।

अपने बारे में बात करते हुए, अभिनेत्री ने कहा, मैं एक बहुत ही लचीली अभिनेत्री हूं और काम की विभिन्न शैलियों में खुद को समायोजित करती हूं, क्योंकि मैं ज्यादातर उस किरदार में तल्लीन हूं, जिसे मैं निभा रही हूं। मेरे लिए, अंतिम उत्पाद सबसे ज्यादा मायने रखता है।

काम के मोर्चे पर, रितुपर्णा वर्तमान में कलर्स टीवी एशिया पैसिफिक पर टेलीविजन शो रिश्ता के मेजबान के रूप में काम करती हैं।

श्री कृष्ण के बाद सौरभ राज जैन निभाएंगे भगवान गणेश का किरदार

गणेश चतुर्थी करीब है और टीवी के सितारे भी इसके लिए पूरी तरह से अपनी तैयारी में लगे हुए हैं. जहां अब रील लाइफ में

भगवन कृष्ण की भूमिका निभा चुके एक्टर सौरभ राज जैन हमें गणेश भगवान की भूमिका में नजर आने वाले हैं. जी हां, बहुत जल्द हमें एक नए म्यूजिक वीडियो में सौरभ गणेश भगवान की भूमिका में नजर आने वाले हैं. सनशाइन म्यूजिक द्वारा निर्मित इस वीडियो में हमें सौरभ के साथ चाइल्ड आर्टिस्ट शिवांजलि पोरजे मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं. सौरभ राज जैन हमें पहले कृष्णा भगवान की भूमिका में नजर आ चुके हैं, जहां उन्हें दर्शकों ने अपना खूब प्यार दिया है. जिसके बाद वो हमें गणेश भगवान का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे. इस म्यूजिक वीडियो का नाम ष्देवा ओ देवाष होने वाला है. जिसमें हमें मशहूर बॉलीवुड सिंगर शंकर महादेवन की आवाज सुनने का मौका मिलेगा. इसके साथ ही इस गाने के निर्देशक राजीव रूहिया होंगे. ष्देवा ओ देवाष म्यूजिक वीडियो को 3 सितंबर को रिलीज किया जाना है. महाराष्ट्र समेत पूरे भारत में इस वक्त गणेश उत्सव की तैयारी तेजी से चल रही है. इस बार ज्यादातर गणेश उत्सव के पंडालों में ऑनलाइन दर्शन होने वाले हैं, लॉकडाउन के चलते हर जगह इसी तरह से दर्शन का इंतजाम किया गया है. वहीं शंकर महादेवन के इस गाने को हम गणेशोत्सव के दौरान खूब सुन पाएंगे. इस गाने की शूटिंग पहले ही की जा चुकी है. जहां इस वक्त इस गाने की अंतिम चरण की एडिटिंग हो रही है. जिसके बाद इसे गणेशोत्सव से पहले 3 सितंबर को भक्तों के लिए रिलीज कर दिया जाएगा. इस गाने के मेकर्स इस गाने को लेकर खासा उत्साहित हैं. आपको बता दें, इस बार गणेश उत्सव 10 सितंबर से शुरू हो रहा है. जहां हर जगह इसे लेकर भक्तों के बीच उत्साह देखने को मिल रहा है. इस बीच इस तरह के गाने को रिलीज करके मेकर्स को तगड़ा फायदा होने वाला है. आपको बता दें, इस गाने के लेखक कार्तिक व्यास हैं, वहीं इस गाने के कोरियोग्राफर इमरान मल्गुनकर हैं. शंकर महादेवन की आवाज का जादू इस गाने को और भी ज्यादा दमदार बनाने वाला है. जिस वजह से मेकर्स के बीच इस गाने को लेकर खूब उत्साह है. सिंगर शंकर इससे पहले भी कई बड़े भक्ति के गाने का चुके हैं. इसके साथ ही शंकर हर गणेशोत्सव के दौरान अपने घर पर गणपति बप्पा को आते हैं और 10 दिनों तक उनकी सेवा भी करते हैं.

चादर को बिना धोए साफ करने के लिए अपनाएं ये तरीके

रोजाना चादर को बदलना जरूरी है क्योंकि सोते समय आने वाले पसीने के कारण इससे बदबू आने लगती है। इसके अलावा पसीने के दागों की वजह से यह गंदी भी दिखने लगती है। हालांकि चादरों को रोज–रोज धोना एक मुश्किल काम है। वैसे आप चाहें तो चादरों को बिना धोए भी साफ कर सकते हैं और इससे बदबू और गंदगी को दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि चादरों को बिना धोए कैसे साफ किया जा सकता है। बेकिंग सोडा का करें इस्तेमालः बेकिंग सोडा एक बेहतरीन प्राकृतिक क्लीनर है जो चादरों की गंध को दूर करके उन्हें साफ रखने में मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले चादर को कुछ मिनट के लिए धूप में रखें। इसके बाद चादर को जमीन पर फैलाकर इस पर बेकिंग सोडा का छिड़काव करें। फिर कम से कम 30 मिनट बाद चादर से बेकिंग सोडा को झाड़कर हटा दें। यकीनन इस तरीके से आपकी चादर एकदम साफ दिखने लगेगी। लिनन स्प्रे आएगा कामः लिनन स्प्रे से भी चादर को बिना धोए साफ किया जा सकता है। लिनन स्प्रे बाजार से आसानी से मिल सकता है, लेकिन अगर आपको यह नहीं मिलता है तो आप इसे घर पर भी बना सकते हैं। इसके लिए पहले डेढ़ कप डिस्टिल्ड वॉटर में अपने पसंदीदा एसेंशियल ऑयल की 30 बूंदें मिलाएं और फिर इसे एक स्प्रे बोतल में भरें। अब इस मिश्रण का छिड़काव अपनी चादर पर करके उसे साफ करें। सफेद सिरका भी है प्रभावीः वैसे तो मार्केट में कई तरह के डिटर्जेंट मौजूद हैं, लेकिन अगर आप चादर के दाग बिना पानी के साफ करना चाहते हैं तो इनकी जगह सफेद सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए दाग वाली जगह को पानी से हल्का गीला करें और फिर इस पर छोड़ा सा सफेद सिरका डालकर इसे 15 से 30 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब दाग वाली जगह पर लगे सिरके को माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछकर साफ करें। ड्राई क्लीनिंग भी है एक अच्छा विकल्पः अगर आपको लगता है कि आप घर पर चादर की सफाई अच्छे से नहीं कर सकते हैं तो इसे घर पर साफ न करें और ड्राई क्लीनिंग के लिए भेज दें। ड्राई क्लीनिंग से गंदगी और दाग हटने के साथ–साथ चादर को ज्यादा नुकसान भी नहीं होता है। हालांकि यह एक महंगा विकल्प हो सकता है, इसलिए आप इस विकल्प को चुनने की बजाय अन्य विकल्पों का सहारा भी ले सकते हैं।

करिश्मा तन्ना ने शेयर की कथित बॉयफ्रेंड की तस्वीर

टीवी अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने खतरों के खिलाड़ी 10 से अपार लोकप्रियता हासिल की थी। वह स्टंट पर आधारित शो खतरों के खिलाड़ी 10 की विजेता बनकर उभरी थीं। हाल के दिनों में छोटे पर्दे पर उनकी सक्रियता बिल्कुल कम हो गई है। अब उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी एक अहम जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो अभिनेत्री करिश्मा रियल एस्टेट बिजनेसमैन वरुण बंगेरा को डेट कर रही हैं। इस कपल ने अपने प्यार को लेकर कोई आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। सोशल मीडिया पर दोनों की तस्वीरों से उनकी बॉन्डिंग साफ झलकती है। हाल ही में करिश्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपने कथित बॉयफ्रेंड वरुण की तस्वीर शेयर की थी और उन्हें उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी थीं। इसके बाद चर्चा शुरू हो गई थी कि करिश्मा और वरुण दोनों के बीच प्यार की खिचड़ी पक रही है।

करिश्मा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी मे दिल का इमोजी बनाते हुए वरुण को जन्मदिन की बधाई दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, करिश्मा ने वरुण के लिए जन्मदिन की पार्टी भी आयोजित की थी। इस पार्टी में उनके करीबी दोस्तों ने शिरकत की थी। रिपोर्ट्स की मानें तो इन दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। सूत्रों ने बताया कि करिश्मा और वरुण अपने रिलेशनशिप को लेकर काफी गंभीर हैं।

करिश्मा इससे पहले मॉडल उपेन पटेल के साथ रिलेशनशिप में थीं। करिश्मा और उपेन की मुलाकात सलमान खान के शो बिग बॉस के घर में हुई थी। इसके बाद दोनों में नजदीकियां बढ़ी थीं। बिग बॉस के शो में भाग लेने के बाद उन्होंने अन्य रियलिटी शो में भी भाग लिया था। हालांकि, इन दोनों का रिश्ता ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाया था। करीब दो सालों तक डेटिंग करने के बाद इन दोनों का ब्रेकअप हो गया था। करिश्मा के करियर की बात करें तो उन्हें कई चर्चित फिल्मों और टीवी शोज में देखा गया है। उन्होंने लोकप्रिय हिन्दी सीरियल क्योंकि सास भी कभी बहू थी से 2001 में डेब्यू किया था। टीवी शो नागिन 3 में भी उन्हें काफी पसंद किया गया था। इसके अलावा उन्होंने ग्रैंड मस्ती और संजू जैसी बॉलीवुड फिल्मों में भी अपनी मौजूदगी दर्ज करवायी है। उन्हें आखिरी बार फिल्म सूरज पे मंगल भारी में देखा गया था।

पुरानी लेगिंग्स को न समझें बेकार, इन तरीकों से करें उनका दोबारा इस्तेमाल

अक्सर जब कोई लेगिंग पुरानी हो जाती है या कहीं से कट–फट जाती है तो उसे पहनने का मन ही नहीं करता। हालांकि अगर आपके पास पुरानी लेगिंग्स का एक अच्छा खासा कलेक्शन है तो आप उन्हें फेंकने की बजाय कई यूनिक तरीकों से इस्तेमाल कर सकती हैं। चलिए फिर आज हम आपको कुछ ऐसे आसान तरीके बताते हैं जिनकी मदद से आप पुरानी लेगिंग्स का बेहतरीन तरीकों से इस्तेमाल कर सकती हैं। हेयर बैंड्स बनाएंः अगर आपको रंग–बिरंगे हेयर बैंड्स लगाना काफी पंसद है तो आप अपनी पुरानी लेगिंग्स से आकर्षक हेयर बैंड्स बना सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले लेगिंग्स के पैर को काटें और एक कांटे हुए हिस्से से एक नॉट बनाएं। अब इसे नीचे की तरफ से सिलें ताकि नॉट ढीली न हो जाए। लेगिंग्स से रंग–बिरंगे और खूबसूरत हेयर

आप इस तरग अलग–अलग रंग के हेडर बैंड्स बना सकती हैं। यकीन मानिए इस तरह के बैंड्स आप पर बहुत अच्छे लगेंगे। शॉर्ट्स बनाएंः पुरानी लेगिंग्स से आप विभिन्न डिजाइन में शॉर्ट्स बना सकती हैं। इसके लिए बस लेगिंग्स को पैरों की तरफ से उतना कांटें जितनी लंबाई की आपको शॉर्ट्स चाहिए। अब लेगिंग के नीचे वाले किनारों को सिल लें। इन शॉर्ट्स को महिलाएं साइकिल चलाते समय या फिर अपनी किसी ड्रेस की नीचे पहन सकती हैं। एक्सरसाइज भी इस तरह की शॉर्ट्स पहनकर की जा सकती है। यकीनन इनमें महिलाएं काफी कंर्फटेबल रहेंगी। टॉप बनाएंः इसके लिए पहले लेगिंग्स के दोनों पैरों को एक के ऊपर एक रखें। अब लेगिंग्स का क्रॉच एरिया वी शेप में काटकर टॉप का गाला बनाएं। ये सेक्शन 4–5 इंच से ज्यादा बड़ा नहीं होना चाहिए। कटिंग करने से पहले गले की जगह से किनारे को सिल लें ताकि टॉप के गले को साफ फिनिश मिल सके। अब लेगिंग के पैरों को काटकर अपने हिसाब से स्लीव्स की लेंथ बना लें। सॉफ्ट टॉयज बनाएंः आप चाहें तो पुरानी लेगिंग्स से बच्चों के लिए सॉफ्ट टॉयज भी बना सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले टेडी बियर के आकार में लेगिंग्स के ऊपरी हिस्से को डबल लेयर में काट लें। अब इस डबल लेयर को एक–दूसरे के ऊपर रखें और इन्हें तीन तरफ से सिल लें। अब खुली तरफ से कपड़े में रुई भर दें और फिर इसे भी सिल दें। तैयार टेडी बियर पर प्लास्टिक की आंख और नाक चिपका दें।